देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 320 । भोपाल, सोमवार 20 नवम्बर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

कोई बोला भाजपा तो कोई कांग्रेस — पृष्ठ 2

- कार्यकर्ता के लिए लड़ने वाले नेता दिग्विजय
- क्यों करें सप्ताह में सत्तर घंटे काम? — पृष्ठ 4

- मासोद मार्ग पर हादसा: डंपर की टक्कर से पलटी पिकअप, 4 घायल — पृष्ठ 6

अनैतिक काम करने वालों से सख्ती से निपटेगी कांग्रेस : दिग्विजय — पृष्ठ 8

सार-समाचार

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी ने रविवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 106वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्री खडगे तथा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि शक्ति स्थल जाकर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा 'शक्ति, साहस और कुशल नेतृत्व की मिसाल रहीं भारत की आयरन लेडी इंदिरा गांधी जी को आज पूरा देश याद कर रहा है।

हैदराबाद अग्निकांड में मरने वालों की संख्या 10 हुई

दराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के एक अपार्टमेंट परिसर में 13 नवंबर को लगी आग की घटना में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। पुलिस ने बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। नामपल्ली पुलिस ने घटना के लगभग एक सप्ताह बाद बाजारघाट में बालाजी रेजीडेंसी के मालिक रमेश कुमा जायसवाल को गिरफ्तार किया। चार मंजिला इमारत के स्टिल्ट फ्लोर में रखे केमिकल ड्रमों में आग लग गई थी, जिसके कारण यह भीषण हादसा हुआ।

जब्ती का आंकड़ा 625 करोड़ तक पहुंचा

हैदराबाद, एजेंसी। विधानसभा चुनाव होने से 10 दिन पहले तक जब्त की गई नकदी, सोना, शराब और मुफ्त वस्तुओं का मूल्य 625 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। प्रवर्तन एजेंसियों ने पिछले 24 घंटों के दौरान 22.46 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती धातु, शराब और अन्य सामान जब्त किया, जिससे कुल आंकड़ा 6,25,79,47,333 रुपए हो गया। 2018 के चुनावों में नकदी, शराब और अन्य वस्तुओं की कुल जब्ती केवल 103.89 करोड़ रुपए थी।

मोहन के बेटे बीआरएस में शामिल

हैदराबाद, एजेंसी। अभिनेता और तेलंगाना के एंडोले निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पी.बाबू मोहन के बेटे उदय बाबू मोहन रविवार को भारत राष्ट्र समिति में शामिल हो गए। उदय औपचारिक रूप से सिद्दीपेट में बीआरएस नेता और राज्य मंत्री टी. हरीश राव की उपस्थिति में सत्तारूढ़ दल में शामिल हुए। उदय के साथ, एंडोले और जोगीपेट के कुछ स्थानीय जन प्रतिनिधि और भाजपा नेता बीआरएस में शामिल हुए। मंत्री ने उनसे बीआरएस की जीत के लिए काम करने का आग्रह करते हुए कहा कि यह तेलंगाना के विकास के लिए काम कर रहा है।

10 मैचों में अपराजेय रही भारतीय टीम फाइनल में हारी

ऑस्ट्रेलिया के सिर सजा विश्व कप का ताज

अहमदाबाद, एजेंसी। विश्व कप 2023 के फाइनल मुकाबला आस्ट्रेलिया ने जीत लिया। इस श्रृंखला के पहले हुए मुकाबलों में लगातार 10 बार अपराजेय रही भारतीय टीम अपने ही घर में धराशाई हो गई। इस टीम को 6 विकेट से हार मिली। इस हार के साथ ही भारतीय टीम का तीसरी बार वनडे विश्व चैंपियन बनने का सपना भी टूट गया।

भारत ने आखिरी विश्व कप साल 2011 में जीता था और उम्मीद की जा रही थी कि 12 साल के बाद अपनी धरती पर भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में तीसरी बार विश्व चैंपियन बनेगी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भारत की उम्मीदों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया और इस टीम को उप-विजेता रहते हुए संतोष करना पड़ा। वहीं कंगारू टीम ने रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप खिताब अपने नाम किया। पैट कमिंस पहली बार विश्व कप में कंगारू टीम की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने अपनी टीम को चैंपियन बनाने का गौरव हासिल किया।

भारत के खिलाफ फाइनल मैच में कंगारू कप्तान पैट कमिंस की सारी रणनीति हिट रही और इस टीम ने चैंपियन की तरह प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस मैच में टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का जो निर्णय लिया वह पूरी तरह से इस टीम के हक में रहा और कंगारू गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को पूरी तरह से खुलकर नहीं खेलने दिया। भारत की तरफ से केएल राहुल ने 66 रन, विराट कोहली ने 54 रन और कप्तान रोहित शर्मा ने 47 रन की पारी जरूर खेली, लेकिन उनकी इस पारी ने टीम को जीतने के लायक स्कोर तक पहुंचाने में कोई मदद नहीं की। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने भारत के खिलाफ सटीक रणनीति पर चलते हुए गेंदबाजी की और उनकी लाइन व लेंथ देखते ही बन रही थी। कोई भी भारतीय बल्लेबाज इस टीम के सामने खुलकर खेलता हुआ नजर नहीं आया। हालांकि शुरुआत में रोहित शर्मा ने जरूर तेज 47 रन बनाए, लेकिन उनके बाद के बल्लेबाज परेशान नजर आए। कोहली और राहुल ने अर्धशतक जरूर लगाया, लेकिन वह भी खुलकर रन बनाने में कामयाब नहीं हुए। इस सीजन में भारतीय टीम फाइनल मुकाबले में पहली बार ऑलआउट हुए और इस मैच में कंगारू तेज गेंदाबाजों ने 10 में से 8 विकेट लिए जबकि स्पिनर्स को 2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने सबसे ज्यादा 3 विकेट मिले।

कंगारू टीम को जीत के लिए 241 रन का लक्ष्य मिला था जो ज्यादा मुश्किल नहीं था। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत के 3 विकेट 47 रन के स्कोर पर जरूर गिरा दिया, लेकिन इसके बाद ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशाने क्रीज पर पूरी तरह से जम गए और इन दोनों की पार्टनरशिप ने भारत के हाथ से जीत छीन ली और छठी बार चैंपियन बनी। मिचेल मार्श ने इस मैच में शतक (137 रन) लगाया वहीं लाबुशाने भी अर्धशतक (58 रन) लगाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से इस मैच में बुमराह ने दो ओर शमी ने एक विकेट लिए। भारतीय गेंदबाज भी इस मैच में वह करिश्मा नहीं दिखा पाए जो उन्होंने पिछले 10 मैचों में दिखाया था। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाज भी असरहीन साबित हुए।

विश्वकप में सुरक्षा में चूक

'फ्री फिलिस्तीन' लिखी टी-शर्ट पहनकर मैदान में घुसा युवक

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के दौरान सुरक्षा में चूक देखी गई, जब 'फ्री फिलिस्तीन' लिखी टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति मैदान में घुस गया। भारत की पारी के चौदह ओवरों के दौरान कई युवा अप्रत्याशित रूप से पिच पर आ गए और विराट कोहली को गले लगा लिया। अहमदाबाद की अपराध शाखा सहित सुरक्षा बलों ने तुरंत हस्तक्षेप किया, घुसपैठिए को पकड़ लिया और स्टेडियम से हटा दिया। घटना के बाद खुद को ऑस्ट्रेलिया का जॉन बताने वाले व्यक्ति को चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। हिरासत में रहते हुए उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनका प्राथमिक मकसद कोहली से मिलना और फिलिस्तीन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करना था।

घुसपैठिए ने कोहली को गले लगाया

राजस्थान के चुनावी रण में एक-दूसरे पर गरजे दिग्गज

राहुल ने कहा- जनता को मोदी वाली गारंटी नहीं चाहिए

देश को बदलने का समय आ गया है

बूंदी, एजेंसी। राजस्थान के बूंदी में आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा।

रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हमें अडानी वाला हिंदुस्तान नहीं चाहिए, भारत मां वाला हिंदुस्तान चाहिए। देश को बदलने का समय आ गया है। नरेंद्र मोदी कहें 'अडानी जी की जय' क्योंकि वे उसके लिए ही काम करते हैं। भारतवासी तो 'भारत माता की जय कहेंगे'। एक भी उद्योगपति दलित या आदिवासी नहीं। हमें ऐसा हिंदुस्तान चाहिए, जिसमें पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों की इज्जत हो। राजस्थान की गहलोत सरकार ने 7 गारंटी दी हैं, लेकिन यह मोदी वाली गारंटी नहीं है। थाली बजाओ, फोन की लाइट ऑन करो। कोरोना से लाखों लोग मरे, मोदी ने सभी को नचवा दिया। कोविड फैला और गरीब लोग मर गए। नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान के अरबपतियों का 14 लाख करोड़ का कर्जा माफ किया। उसमें एक दलित नहीं, आदिवासी कोई नहीं। मतलब उसमें हिंदुस्तान की 80 प्रतिशत आबादी का कोई नहीं। इन्होंने अपने मित्रों को 14 लाख करोड़ का तोहफा दिया और आप लोग देखते रह गए। केवल 20-25 लोगों को यह पैसा दिया गया। दलितों, आदिवासियों से उनके सामने ही चोरी की गई और आपको पता तक नहीं लगा। उन्होंने कहा कि कुछ भी हो जाए नरेंद्र मोदी जाति जनगणना नहीं करा सकते है। जाति जनगणना केवल राहुल गांधी और कांग्रेस कर सकती है। जिस दिन जाति जनगणना हो गई और जिस दिन आदिवासी, दलितों को ये जनगणना की बात समझ आ गई। उस दिन ये देश बदल जाएगा।

राहुल ने वार रूम टीम का बढ़ाया हौसला

जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान में कांग्रेस की जीत के लिए दिन-रात मेहनत कर रही टीम का रविवार को यहां हौसला बढ़ाया। आगामी विधानसभा आम चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करने के लिए राजस्थान दौरे पर आये श्री राहुल गांधी जयपुर स्थित पीसीसी वॉर रूम पहुंचे।

मोदी ने कांग्रेस को गुटबाजी पर घेरा, बोले-

एक-दूसरे को रन आउट करते रहे कांग्रेस नेता

चूरू, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान क्रिकेट के मूड में दिखे। उन्होंने चूरू के तारानगर और झुंझुनूं में कहा कि कांग्रेस वाले एक-दूसरे को रनआउट करने में लगे हैं। जो बचे हैं, वे महिलाओं और अन्य मुद्दों पर गलत बयान देकर हिट विकेट हुए जा रहे हैं। बाकी जो हैं, वे पैसे लेकर, रिश्वत लेकर मैच फिक्सिंग कर लेते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब इनकी टीम ही इतनी खराब है, तो ये क्या रन बनाएंगे और आपका क्या काम करेंगे। हमें हर मतदान केंद्र पर पांच से सात सतक लगाने हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के राज में इस भूमि पर ईश्वर का नाम लेना भी मुश्किल हो गया है।

एक तरफ भाजपा है, जो करतारपुर साहब कॉरिडोर बनवाती है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस अपने राज में यहां शोभा यात्रा तक निकलने नहीं देती है। वह देवी-देवताओं की शोभा यात्रा पर रोक लगाती है, लेकिन आतंकी संगठन पीएफआई की रैली को बढ़ावा देती है।

भाजपा सभी भ्रष्टाचारियों को आउट करेगी

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार फैलाया है। भाजपा सरकार आएगी तो सभी भ्रष्टाचारियों को आउट कर देंगे और भाजपा विकास का स्कोर तेजी से बनाएगी। जीत राजस्थान की होगी, जीत किसान, महिलाओं, युवाओं के भविष्य की होगी।

आज भारत हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। चंद्रयान चांद पर पहुंचा। कोरोना का देसी टीका बनाया। कांग्रेस और विकास एक-दूसरे के दुश्मन हैं, इसलिए विकास चाहिए तो कांग्रेस को जितना दूर रखें, उतना अच्छा है। राजस्थान भी इसमें बड़ी भूमिका निभाएगा।

नितिन गडकरी की विशेषज्ञों के साथ बैठक

सुरंग में रुकावट का पता लगाएगा रोबोट

उत्तरकाशी, एजेंसी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग धंसने से 8 दिन से 41 मजदूर फंसे हैं। सिलक्यारा की ओर से बंद पड़ी ड्रिलिंग रविवार शाम को 50 घंटे बाद फिर से शुरू हो गई है। यहां से खाना अंदर भेजने के लिए एक और छोटा पाइप ड्रिल किया जा रहा है। अब ड्रिलिंग में आ रही रुकावट का पता लगाने के लिए रोबोट की भी मदद ली जाएगी।

आठ दिन से सुरंग में फंसे हैं 41 मजदूर

पुणे और हॉलैंड से मशीनें मंगाई

इससे पहले रविवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में विशेषज्ञों के साथ बैठक की और सुरंग के अंदर जाकर बचाव अभियान भी देखा। उन्होंने अंदर फंसे लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें आश्वासन दिया। अंदर फंसे मजदूरों को मल्टी विटामिन, ड्राई फ्रूट्स और एंट्री डिप्रेशन दवाएं दी जा रही हैं। अच्छी बात यह है कि सुरंग के अंदर जहां मजदूर फंसे हैं, वहां बिजली सप्लाई है। इधर, सिल्कयारा सुरंग में ऊपरी सतह से ड्रिलिंग की जानी है। इसके लिए पुणे और हॉलैंड से मशीनें मंगाई गई हैं। ये मशीन चिल्यानीसौड़ हवाई पट्टी पर एयरलिफ्ट करके लाई जाएगी। यह सिल्कयारा से 50 किलोमीटर दूर है। वहीं, सुरंग को सुरक्षित करने के लिए रेलवे ने रविवार सुबह एक और मशीन ऋषिकेश से मंगवाई है। यह टनल में मलबा गिरने से रोकने का काम करेगी।

12 नवम्बर को फंसे थे मजदूर

हादसा 12 नवंबर की सुबह 4 बजे हुआ था। सुरंग के प्रवेश द्वार से 200 मीटर अंदर 60 मीटर तक मिट्टी धंसी है। इसमें 41 मजदूर अंदर फंस गए। अभियान के दौरान सुरंग से और पत्थर गिरने की वजह से मलबा कुल 70 मीटर तक फैल गया है।

दिल्ली में प्रदूषण हुआ कुछ कम, ट्रकों के प्रवेश से रोक हटाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पिछले दो दिनों से प्रदूषण के स्तर में गिरावट आई है। रविवार सुबह 7 बजे, शहर का एवरेज एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 290 था। जबकि शनिवार को 319, शुक्रवार को 405 और गुरुवार को 419 रिकॉर्ड किया गया था। प्रदूषण कम होता देख 14 दिन बाद दिल्ली से ग्रेप-4 (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) हटा दिया गया है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए इसे 5 नवंबर को लागू किया गया था। अब शहरों में कंस्ट्रक्शन वर्क और ट्रकों की एंट्री पर रोक हट गई है। उधर सोमवार से दिल्ली में स्कूलों को फिर से खोला जा रहा है। प्रदूषण के चलते सरकार ने 8 नवंबर को स्कूलों में 10 दिन के विंटर वेकेशन की घोषणा कर दी थी।

आज से स्कूल खुलेंगे

बीएस-4 डीजल वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध

दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर कम होता देख दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा- पिछले दो दिनों में दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। ग्रैप 4 प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, लेकिन मैं दिल्ली के लोगों से सतर्क रहने का अनुरोध करता हूं। ट्रकों की एंट्री पर प्रतिबंध हटा दिया गया है, बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों पर बैन अभी भी लागू है।

मतदान को लेकर अब अटकलों का दौर

72 सीटों पर महिलाओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा किया मतदान

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में मतदान हो गया है। अब अलग-अलग अटकलें लग रही हैं। प्रदेश में महिलाओं ने बंपर मतदान किया है। मध्य प्रदेश की 230 सीटों में से 72 सीटों पर महिलाओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया है। इन सीटों पर ही सबकी नजर रहने वाली है।

महिलाओं के मतदान को लेकर भाजपा और कांग्रेस के अपने-अपने दावे हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में 29 सीटें ऐसी है, जहां महिलाओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक हैं। इस बार 1 हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 945 हो गई है। जबकि 2018 में 10 सीटों पर महिलाओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक थी। वहीं, 1 हजार पुरुषों पर महिला वोटरों की संख्या 917 थी। मप्र विस चुनाव में 230 सीटों पर शुक्रवार को मतदान हुआ। इसके बाद हार जीत को मंथन शुरू हो गया है। इस बार महिलाओं ने बढ़ चढ़कर मतदान किया है। प्रदेश की 34 सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया है। पिछली बार दो प्रतिशत मतदान बढ़ा तो सरकार बदल गई थी। हालांकि विंध्य की 29 सीटों में महिलाओं ने ज्यादा वोट डाले थे, जिसमें से 19 पर भाजपा जीती थी। जबकि 2018 में 44 सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया था। महिलाओं के बढ़े मत प्रतिशत को भाजपा लाड़ली बहना का असर बता रही है तो कांग्रेस इसे सरकार के खिलाफ बदलाव के लिए मतदान बता रही है। प्रदेश में कुल मतदान 77.15 प्रतिशत में से 78.21 प्रतिशत पुरुष और 76.03 प्रतिशत महिलाओं ने वोट किया है। पिछली बार 74.01 प्रतिशत महिलाओं ने मतदान किया था। पिछले 2018 चुनाव के मतदान को देखें तो 41 सीटों पर महिलाओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया था। इसमें से 27 पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। वहीं, भाजपा को सिर्फ 12 और दो सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते थे। भाजपा को इन सीटों पर लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है तो कांग्रेस भी अपनी नारी सम्मान योजना से उम्मीद लगाए बैठी है। हालांकि इस बार दोनों ही पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला है। जावद, नीमच, मनासा, सुवासरा, मल्हारगढ़, जौरा, सैलाना, रतलाम ग्रामीण, बड़नगर, बदनावर, थांदला, राजपुर, कसरावद, महेश्वर, बागली, सोहागपुर, पिपरिया, बासौदा, बुदनी, आष्टा, इछावर, नरसिंहगढ़, ब्यावरा, राजगढ़, खिलचीपुर, सारंगपुर, सुसनेर, शाजापुर, कालापीपल, सोनकच्छ, हाटपिपलिया, गोटेगांव, नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा, गाड़रवाड़ा, जुनारदेव, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर, छिंदवाड़ा, परासिया, पांढुर्णा, मुलताई, घोड़ाडोंगरी, भैंसदेही, टिमरनी, हरदा, सिवनी मालवा, सिहोरा, शाहपुरा, डिंडौरी, बिछिया, निवास, मंडला, बैहर, लांजी, परसवाड़ा, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, बरघाट, सिवनी, क्योलारी, लखनादौन, राघौगढ़, विजयपुर, पिछौर, पृथ्वीपुर, जयसिंहनगर, जैतपुर, पुष्पराजगढ़, बहोरीबंद विस क्षेत्र शामिल हैं।

महिला मतदान ने भाजपा और कांग्रेस में जगाई आस

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया में महिलाओं की हिस्सेदारी ने भाजपा और कांग्रेस दोनों में सफलता की आस जगाने का काम किया है। दोनों को इस बात की उम्मीद है कि महिलाओं का बढ़ा हुआ वोट प्रतिशत उनकी किस्मत को बनाने में मददगार साबित होगा।

राज्य की 230 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में 17 नवंबर को मतदान हुआ है। इस बार मतदान का प्रतिशत 77.15 रहा है, जिसमें पुरुष वर्ग का मतदान 78.21 और महिला वर्ग का मतदान 76.03 प्रतिशत है। यह मतदान प्रतिशत पिछले 66 साल में सबसे अधिक है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो मतदान का प्रतिशत 75.63 था। चुनाव आयोग की ओर से जारी किए गए आंकड़े इस बात का संकेत दे रहे हैं कि कई विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां महिलाओं का मत प्रतिशत पुरुषों की तुलना में काफी ज्यादा रहा है।

इस बार के चुनाव में सभी की नजर महिला मतदाताओं पर रही है। इसकी वजह भी है क्योंकि सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के लिए जहां लाडली बहना योजना शुरू की है तो दूसरी ओर कांग्रेस ने सत्ता में आने पर नारी सम्मान योजना शुरू करने का वादा किया है। राज्य में हुए मतदान में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की मतदान का प्रतिशत या कहें की हिस्सेदारी कम रही है। मगर, पिछले चुनाव की तुलना में इस बार महिलाएं कहीं ज्यादा मतदान करने के लिए सामने आईं।

इसी के चलते कांग्रेस हो या भाजपा दोनों को लगता है कि महिलाओं का वोट उसके हिस्से में ज्यादा आया होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महिलाओं की चुप्पी और उसके बाद उनके वोट प्रतिशत में इजाफा इस बात का संकेत तो दे ही रहा है कि उनकी सियासी जागरूकता बढ़ी है और उन्हें राजनीतिक दल की योजनाएं भी रास आई हैं। मगर, किस दल की योजना उन्हें रास आई यह तो 3 दिसंबर को ही पता चलेगा। स्वाभाविक बात है दोनों राजनीतिक दलों को यह लगता है कि महिलाओं को उनकी योजनाएं रास आई होगी और यही कारण है कि महिलाओं ने उनके पक्ष में मतदान किया होगा।

सार समाचार

शहर में धड़ल्ले से जारी है सिंगल यूज प्लास्टिक

गुना, देशबन्धु। पूरे शहर में नगर पालिका लगातार कचरा उठाती है और घरों से कचरा कलेक्शन भी करती है। कुछ जगहों पर थोड़ी देर के लिए ही कचरे के ढेर लगते है, जहां पर मवेशी अपने भोजन की तलाश में पहुंच जाते हैं। शहर में कई जगह सडक़ किनारे पड़ा कचरा गोवंश के लिए हानिकारक साबित हो रहा है। कचरों के ढेर में शामिल खाद्य सामग्री के साथ गोवंश पॉलीथिन भी खा रहा है, लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। भारत सरकार ने सिंगल यूज या एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा रखा है, लेकिन ये प्रतिबंध केवल कागजों और घोषणाओं तक ही सीमित है। शहर सहित जिले भर के बाजारों में सिंगल यूज पॉलीथिन का सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है, इसके उपयोग के बाद फेंक देने से गलियों, सडक़ों और नालियों में पॉलीथिन और प्लास्टिक के ढेर लग जाते हैं। जो गोवंश के लिए हानिकारक साबित हो रही हैं। साथ ही नाले-नालियां पॉलीथिन फंसने से चोक हो जाती है। जिस कारण नगर पालिका के सफाई कर्मी, रहवासी सब परेशान हो जाते हैं। लोगों का कहना है कि निजी व सार्वजनिक आयोजन जैसे बैठक, सम्मेलन, शादी, पार्टी और अन्य धार्मिक, राजनीतिक व सामाजिक आयोजनों में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग होती है। लोगों में जागरूकता का अभाव और जिम्मेदारों के उदासीन रवैये से सिंगल यूज प्लास्टिक व पॉलीथिन का यूज रूक नहीं रहा है।

विश्वकर्मा समाज की बैठक हुई संपन्न

आष्टा, देशबन्धु। श्री विश्वकर्मा जन्मोत्सव एवं विश्वकर्मा विवाह सम्मलेन के साथ ही सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्साह पूर्वक मनाने के लिए एक आवश्यक मीटिंग श्री विश्वकर्मा मंदिर में रखी गई जिसमें विश्वकर्मा समाज के बड़ी संख्या में विश्वकर्मा बंधु पधारे। आगामी विश्वकर्मा जयंती उत्साह पूर्वक मनाने के लिए युवा संगठन समिति का भी गठन किया गया जिसमें उपस्थित सभी विश्वकर्मा बंधुओ की सर्वसम्मति से अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन किया गया। समाज में अपनी सहभागिता को देखते हुए हेमंत विश्वकर्मा बरखेड़ा को अध्यक्ष एवं संदीप विश्वकर्मा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बढ़ी संख्या मे समाज की महिलाओ ने भी उपस्थिति दर्ज की। मीटिंग में पधारे सभी विश्वकर्मा बंधुओ का समाज अध्यक्ष मनोहर लाल विश्वकर्मा ने सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अधिक से अधिक संख्या मे पधारकर उत्साह पूर्वक मनाने का आग्रह किया एवं आभार व्यक्त किया।

चर्चाओं में हार-जीत के दावे, सट्टा बाजार ने भी पकड़ा जोर

कोई बोला भाजपा तो कोई कांग्रेस

गुना, देशबन्धु। प्रत्याशियों पर ही नहीं बल्कि आम लोगों पर भी मतगणना के बाकी दिन भारी पड़ रहे हैं। उम्मीदवार मतदान केंद्रवार गुणा भाग लगा रहे हैं और चर्चा में जीत-हार के दावे कर हैं। कहीं मतदान प्रतिशत से कयास लगाए जा रहे हैं तो कही जातिगत वोटों के समीकरण खंगाले जा रहे है। अब 3 दिसंबर तक सट्टे बाजार के नंबरों के खेल जैसा ही उलट-पुलट काम चलेगा। सभी दावों और तर्कों के साथ जीत-हार का गणित समझाते नजर आ रहे है। चाय की दुकान से लेकर ठेलों, सैलून तथा पान की दुकानों, चौराहों व आंगन में यही चर्चाएं सुनाई दे रही हैं। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के भावी विधायकों की तस्वीर को साफ करने की अटकलें तो शुक्रवार को मतदान के बाद ही शुरू हो गई थी लेकिन जोर पकड़ा रविवार की बाजार की चर्चाओं से। चर्चाओं से बाजार गर्म हो रहा है। मतगणना 3 दिसंबर को होगी और परिणाम की घोषणा भी इसी दिन कर दी जाएगी लेकिन लोग जनता का फैसला जानने के लिए बेसब्र हैं। रविवार को भारत-ऑस्ट्रेलिया फायनल मैच में रह-रहकर चुनावी चर्चा जोर पड़ती रही।

चुनाव के नतीजे राजनीतिक दलों के लिए व उनके प्रत्याशियों के भविष्य को तो तय करेंगे ही वहीं आम आदमी के लिए ये प्रदेश और शहर के विकास को दिशा देंगे। लेकिन इन सबके बीच कभी क्रिकेट तो कभी अन्य क्षेत्रों में जीत-हार पर दांव लगाने वाले सटोरियों ने चुनावी नतीजों को भी अपने धंधे का जरिया बना लिया है। शहर सहित अंचल में इन दिनों लाखों रुपए चुनावी नतीजों पर लगाए जाने की बात सामने आ रही है। सूत्रों की मानें तो जिले में प्रत्याशियों की जीत-हार का अलग-अलग भाव सट्टा कारोबारियों ने तय किया जा रहा है। जिस पर लाखों रुपए से अधिक का सट्टा लग चुका है और यह क्रम 3 दिसंबर को चुनावी नतीजे आने तक जारी रहेगा। खास बात यह है कि प्रत्याशियों की जीत-हार पर सट्टे के अलावा इस बात पर भी दांव लगाया जा रहा है कि जिले मे कांग्रेस व भाजपा की सीटों का आंकड़ा क्या रहेगा।

अब मतदान केंद्रों हिसाब : परिणाम तक पहुंचने के लिए बेताब प्रत्याशियों ने अब ताकत समीक्षा में लगा दी है। इसके लिए मतदान केंद्रवार आंकड़े जुगाड़े जा रहे हैं ताकि आकलन लग सकें कि वोटिंग ट्रेड कैसा था और कहां से कितने वोट मिले होंगे। यही वजह है कि प्रत्याशी घर पर ही कार्यकर्ताओं से घिरे रहे और राय लेते रहे।

वोट कैसे होते हैं कम-ज्यादा : परिणाम की तह तक जाने वालों का गणित भी बहुत दिलचस्प होता है। पहले तो वे जनचर्चाओं को अपने आकलन का माध्यम बनाते हैं फिर जातियों का हिसाब करते हैं। इस पर भी मामला नहीं जमता तो वोट बांटने में जुट जाते हैं। हर प्रत्याशी के लिए जाति, क्षेत्र, पार्टी और व्यक्तिगत संबंध में वोट बांटे जाते हैं। राजनीतिक पंडितों की माने इस बार जिले की चारों विधानसभा सीटों में भाजपा-कांग्रेस फिफ्टी-फिफ्टी की स्थिति बन सकती है। तो दोनों पक्ष 3-1 का आंकड़ा भी बता रहे हैं।

कांग्रेस कार्यालय मे मनाई गई श्रीमति इंदिरा गांधी की जयंति

आष्टा, देशबन्धु। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती स्थानीय साहू मैरिज गार्डन में आयोजित की गई जिसमें सर्वप्रथम इंदिरा जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधनसभा कांग्रेस प्रत्याशी कमल सिंह चौहान ने कहा इंदिरा गांधी ने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में देश के हित में ऐसे अनेक फैसले लिए जिससे आज देश प्रगति के पथ पर इतनी तेज बढ़ पाया है उन्होंने बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर आम लोगों को बैंक से होने वाली सुविधा के लिए सुलभ बनाया । जब पूरा देश सन 1971 में भारत और पाकिस्तान के युद्ध को देख रहा था तो किसी को पता नहीं था कि पाकिस्तान के दो टुकड़े भी होंगे लेकिन इंदिरा जी कुशल नेतृत्व से पाकिस्तान के हजारों सैनिकों के घुटने टेकने पड़े व पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश बनाया। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री कैलाश परमार ने कहा कि इंदिरा जी को पूरा विपक्ष जब प्रधानमंत्री बनी तो गूंगी गुड़िया कहते थे लेकिन उनके फैसलों की आवाज पूरे विश्व में इस तरह गूंजी देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने उन्हें साक्षात दुर्गा का अवतार बताया उक्त कार्यक्रम को पूर्व जनपद अध्यक्ष बलबहादुर सिंह भगतजी गुलाब बाई ठाकुर,मीना सिंगी आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शहर कांग्रेस अध्यक्ष जाहिद गुड्डू ने किया वहीं आभार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र शोभाखेड़ी ने किया उपरोक्त कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री कैलाश परमार कांग्रेस प्रत्याशी कमल सिंह चौहान जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र शोभा खेड़ी, जाहिद गुड्डू,भैया मिया, मीना सिंघी,मेहरवान सिंह मुंदीखेड़ी, सोभाल सिंह बागेर,सोभाल सिंह मुगली, खालिद पठान, कांग्रेस प्रवक्ता इसराईल मंसूरी, फारूक पटेल,जगदीश द्रविड़ , रामचरण दावरिया,लाला सिंह,बंशी बांबे,जुगल पटेल,सुनील प्रगति ,नईमखान, सनव्वर खान, रिजवान खान आदि मौजूद रहे।

पैसे के लेनदेन में डॉक्टर को मारी गोली

गुना, देशबन्धु। जिले के आरोन थानांतर्गत बरखेड़ाहाट में पैसे के लेन-देन में गोली चलाने का मामला सामने आया है। गोलीबारी में घायल को आरोन अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गुना के निजी अस्पताल में उपचार के लिए रैफर किया गया है। घायल के गले के पास से गोली छूकर निकल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार छीपौन निवासी वेटनरी डॉक्टर राजू धाकड़ का क्षेत्र के ही धनराम धाकड़ से पैसे का लेनदेन था।

शनिवार को डॉ. धाकड़ द्वारा अपने पैसों की मांग को लेकर लगातार धनराज को फोन लगाए। जिसके बाद धनराज ने डॉ.धाकड़ को पैसे देने रात करीब 8 बजे गांव बरखेड़ाहाट के तालाब के पास बुलाया। यहां डॉ. धाकड़ अपनी मोटर सायकिल से पैसे लेने पहुंचे। इस दौरान आरोपी द्वारा पैसे आने की बात कहकर कुछ देर रूकने को कहा। इस बीच डॉ. धाकड़ अपने मोबाईल पर किसी से चर्चा करने लगे तभी मौका पाकर आरोपी ने डॉ. धाकड़ पर फायर कर दिया। जो उनके गले को छूते हुए गोली निकल गई। घटना में डॉ. घायल होकर बेहोश गए। बाद कुछ समय बाद उन्हें होश आया तो उन्होंने अपने परिजनों को फोन पर सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों को डॉ. धाकड़ घायल अवस्था में मिले। वहीं गाड़ी में फोडफ़ोड़ की गई।

परिजनों ने तत्काल डॉ. धाकड़ को आरोन के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। जहां से उनकी हालत गंभीर होने पर गुना रैफर कर दिया गया। जहां उनका एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

इस बारे में पुलिस ने बताया कि आरोपी एवं फरियादी के बीच 40-50 हजार रुपए का लेनदेन का विवाद चल रहा था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी पर धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छठ महापर्व : डूबते सूरज को अर्घ्य देने सिंगवासा तालाब पर जुटे उत्तर भारतीय

गुना, देशबन्धु। दीपावली के बाद भगवान सूर्य की उपासना का महापर्व छठ शुरू हो गया है। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी छठ पूजा का त्यौहार सिंगवासा तालाव पर हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा। नगर पालिका द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों बिहार, यूपी के नागरिक जो गुना में निवास करते हैं उनके लिए सिंगवासा तालाब पर व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता के निर्देश पर सीएमओ बीडी कतरौलिया द्वारा सिंगवासा तालाब पर विगत दिन से ही साफ सफाई कराना प्रारंभ कर दी गई है। चार दिनों तक चलने वाले पर्व में रविवार की शाम डूबते हुए सूर्य भगवान को पहला अर्घ्य देकर छठ मैया की विशेष उपासना की गई। जिसके चलते आज सिंगवासा तालाब पर आकर्षक लाइट, पंडाल आदि की व्यवस्था की गई। जहां सिगवासा तालाब पर सुगमता पूर्वक अपने साल भर के त्यौहार को उत्साहपूर्वक मना सकेंगे। दरअसल उत्तर भारतीयों के द्वारा यह पर्व उत्साह के साथ भक्तिभाव पूर्ण माहौल में मनाया जा रहा है। शुक्रवार को नहाय-खाये से शुरू हुए इस पर्व में शनिवार को खरना किया गया। वहीं रविवार को डूबते सूरज को घाटों में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर अर्घ्य दिया गया। सोमवार सुबह ऊगते हुए सूर्य को अर्घ्य के साथ व्रत का पारण किया जाएगा। गुना के अलावा एनएफएल-विजयपुर में भी छठ पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। पर्व की विशेष पूजा सिंगवासा तालाब पर की गई। यहां नपा द्वारा साफ-सफाई के साथ प्रकाश की व्यवस्था की गई। पिछले कुछ दिनों से व्रत रखने वाली महिलाएं और उनके परिवारीजन इसकी तैयारी में जुटे रहे। बाजार में भी गन्ना, सूप, सब्जी, ऋतुफल आदि की खरीददारी की गई है। उल्लेखनीय है कि यह व्रत बड़ा कठिन होता है। 36 घंटे तक कठिन नियमों का पालन कर लोग इसे मनाते हैं। रविवार शाम को पानी में खड़े होकर पूजन की गई। इसमें नव विवाहिता जोड़, मनौती पूरे होने वाले लोग विशेष पूजन-अर्चन की। इस दौरान सिगंवासा तालाब पर मेला जैसा माहौल रहा।

अंशु रघुवंशी बनीं कांग्रेस की प्रदेश महामंत्री

गुना, देशबन्धु। कांग्रेस में संगठनात्मक नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। इसके तहत गुना जिले के नेताओं को खास तवज्जो दी जा रही है। इसी क्रम में वरिष्ठ नेत्री अंशु रघुवंशी को प्रदेश महामंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। पूर्व विधायक और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय देवेंद्र सिंह रघुवंशी की पुत्री अंशु रघुवंशी को कांग्रेस द्वारा महामंत्री नियुक्त किए जाने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनका जिला कार्यालय पर अभिनंदन किया। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने अंशू रघुवंशी का उत्साहवर्धन करते हुए उम्मीद जताई कि वह कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करेंगी। वहीं अंशू रघुवंशी ने वादा किया कि वे गुना जिले के संगठन को प्रदेशभर में नम्बर 1 की श्रेणी तक ले जाते हुए अपनी कार्यक्षमता प्रमाणित करेंगी।

शिव मंदिर शहनाई गार्डन पर हजारों भक्तों ने लिया अन्नकूट का प्रसाद

गुना, देशबन्धु। देवाधिदेव नर्मदेश्वर महादेव की असीम कृपा से दीपावली के शुभ अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति शिव मंदिर बी जी रोड पर विशाल अन्नकूट भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ। आयोजक परिवार लक्ष्मीनारायण अग्रवाल मामा, दिलीप अग्रवाल एवं राजकुमार अग्रवाल द्वारा बताया गया की दीपावली पंचमी के दिन शिव मंदिर पर भगवान भोले नाथ की पूजन अर्चन एवं 56 भोग लगाकर विशाल अन्नकूट भंडारे का आयोजन शहनाई गार्डन गुना में सांयकाल 5 से शुरू होकर देर रात्रि 11 बजे तक नियमित चला।

हत्यारों को गिरफ्तार कर घर पर बुलडोजर नहीं चलाया तो धरने पर बैठ जाएंगे कांग्रेसी

गुना, देशबन्धु। छतरपुर जिले की राजनगर सीट पर चुनाव प्रचार के दौरान हुई कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या पर गुना सहित प्रदेशभर में कांग्रेसजन आक्रोशित हैं। रविवार को स्थानीय नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर हत्यारों को गिरफ्तार कर उनके अवैध मकानों पर बुलडोजर नहीं चलाया गया तो कांग्रेस नेता गुना में धरने पर बैठ जाएंगे। राजनगर हत्याकाण्ड को लेकर गुना जिलाध्यक्ष कांग्रेस अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने रविवार को पत्रकारों से चर्चा की। धाकड़ ने बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी नातीराजा और उनके समर्थक शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटैरिया के समर्थकों ने कांग्रेस कार्यकर्ता तरुण व सलमान को वाहन से कुचल दिया। इस बर्बरता में सलमान की जान चली गई है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि हत्या करने वाले लोगों ने वारदात को अंजाम देने के बाद भी चुनाव प्रचार किया और वोट डालने भी पहुंचे। कुल मिलाकर कांग्रेस ने स्थानीय जिला प्रशासन की उदासीनता पर नाराजगी जाहिर की है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष के मुताबिक वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इस मामले में पहले ही धरने पर हैं। फिलहाल खजुराहो पुलिस ने आश्वासन दिया है। लेकिन सोमवार तक सख्त कार्रवाई नहीं होती है तो गुना कांग्रेस भी धरना देगी और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

बता दें कि राजनगर हत्याकाण्ड मामले में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने खजुराहो थाना परिसर में धरना दिया है। कांग्रेस के तमाम बड़े नेता भी कार्रवाई कराने को लेकर लामबंद हो गए हैं।

महारानी लक्ष्मीबाई का देश की स्वतंत्रता में अहम योगदान : परमार

आष्टा, देशबन्धु। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए अपनी जान की बाजी लगा कर वीरांगना लक्ष्मीबाई इतिहास में अमर हो गयी । पहले स्वतंत्रता संग्राम में जहाँ कुछ रजवाड़े अंग्रेजो के खिलाफ स्वतंत्रता का अलख जगाए हुए थे, वही कुछ रियासतें अंग्रेजों की मित्र बनी हुई थी । झांसी की रानी का शौर्य और बलिदान हमे सदैव निडरता से लड़ने की प्रेरणा देता रहेगा । इतिहास हमे वीरांगना लक्ष्मीबाई से गद्दारी करने वाले तत्कालीन ग्वालियर राजघराने से सतर्क रहने की भी हिदायत देता है ।यह बात प्रदेश कांग्रेस महासचिव तथा जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरी जी महाराज द्वारा स्थापित प्रभु प्रेमी संघ के संयोजक कैलाश परमार ने रानी लक्ष्मीबाई की जयंती समारोह में कही ।परमार लॉ चेम्बर में आयोजित हुए लक्ष्मी बाई नमन समारोह में मोहन सिंह अजनोंदिया, रामेश्वरप्रसाद खंडेलवाल, लोकेंद्र बनवट, देवबगश मेवाडा पटवारी, कोकसिंह ठाकुर, ने भी रानी लक्ष्मी बाई के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने की बात कही ।लक्ष्मीबाई नमन समारोह में उनके चित्र पर उपस्थितजन ने पुष्पमालाएं तथा पुष्पांजलि अर्पित की ।इस अवसर पर अजित जैन आनंद रांका ,नरेन्द्र कुशवाह, राजेन्द्र जैन संजय जैन, राजू जैन पूर्व पार्षद, सुरेन्द्र परमार, शुभम शर्मा, वीरेंद्र परमार, संतोष मालवीय आदि मौजूद थे ।

देश की पहली महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा की जयंती मनाई

इंदिरा गांधी के बताए सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया

गुना, देशबन्धु। *कांग्रेस ने गायत्री मंदिर के सामने स्थित कांग्रेस जनसम्पर्क कार्यालय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। यहां स्व. इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर मौजूद कांग्रेस की महिला इकाई ने संकल्प लिया कि वे इंदिरा गांधी की तरह अपने इरादों को मजबूत बनाएंगी और देश के विकास में योगदान दीं। कार्यक्रम के दौरान इंदिरा गांधी के साथ-साथ झांसी की रानी वीरांगना लक्ष्मीबाई को भी श्रद्धांजलि दी गई। उनकी जन्म जयंती भी 19 नवम्बर को मनाई जाती है। महिला इकाई ने लक्ष्मीबाई की तरह स्व. इंदिरा गांधी को भी वीरांगना बताया, जिन्होंने देश की सेवा करते-करते अपने प्राणों का बलिदान दे दिया था। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और इंदिरा गांधी के सिद्धांतों को अपनाने का आव्हान किया।*

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने बताया कि देश में बढ़ रही गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, और लोगों के साथ हो

रहे अन्याय के खिलाफ एक सशक्त सरकार और इंदिरा जी जैसी एक मजबूत व्यक्तिव और उचित समय पर उचित निर्णय लेने की क्षमता वाले प्रधानमंत्री की आवश्यकता है। जो दिन-प्रतिदिन चीन की सेना भारत की सीमा में घुस रही है उसे मजबूती से जवाब दे सके, इंदिरा जी इसलिए चाहिए ताकि, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सके बढ़ती हुई महंगाई और पूंजीवाद का दमन कर सके।

इस दौरान जिलाध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने विधानसभा निर्वाचन 2023 में सक्रिय सहयोग और कार्यकर्ताओं के परोक्ष अपरूप रूप से कांग्रेस का साथ निभाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार माना और जिले में हुए बड़ी संख्या में मतदान के लिए आम मतदाता को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर वरिष्ठ नेता नूरुल हसन नूर, मानसिंह परसोदा, विश्वनाथ तिवारी, हरिशंकर विजयवर्गीय, सीमा यादव, रेखा जैन, मधु रघुवंशी, हर्ष मेर, आलोक नायक, रणवीर कुशवाह, पंकज कनेरिया, कन्हैया राम अहिरवार, महेंद्र जाट, मामा हीरालाल अहिरवार, रतिराम धाकड़, जैनेंद्र जैन, जैनू रामस्वरूप, चौधरी अकबर खान, धर्मवीर ढिल्लों, जावेद, शालू, बृजेश भार्गव, महेंद्र त्रिवेदी, लालजी राम जाटव, दीपक लोधा, इरशाद खान, सत्येंद्र जैन, पुष्पराग शर्मा, रविंद्र भदौर, अमित महाराज, मुनेंद्र बैरागी, वीरेंद्र ओझा, दिनेश ओदिच्या, चउआ महाराज, आनंद सक्सेना, तरुण सेन, असीम भटनागर, करण सिंह, मुकेश साहू, एजाज खान आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। धाकड़ ने बताया कि जिस तरह इंदिराजी ने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। उसी तरह कांग्रेस कार्यकर्ता भी अंतिम सांस तक देश के लिए समर्पित रहेंगे, यही कांग्रेस की स्वर्गीय इंदिराजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सड़क झाड़ रही निगमकर्मी को अज्ञात कार ने रौंदा, मौत

परिजनों ने मुआवाजे और नौकरी देने की मांग को लेकर किया हंगामा

भोपाल, देशबन्धु। शाहपुरा इलाके में स्थित अकीर्ति ईको सिटी के पास रविवार सुबह सड़क पर झाड़ू लगा रही नगर निगम की महिला सफाई कर्मचारी को अज्ञात कार ने रौंद दिया। हादसे के बाद महिला को घायल हालत में साथियों ने जेपी अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों और परिचितों ने आरोपी कार चालक की तत्काल गिरफ्तारी, पांच लाख रुपए मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर हंगामा कर दिया।

शाहपुरा पुलिस के मुताबिक माया बाई पति मुन्ना उम्र 45 वर्ष निवासी पचास क्वार्टर पिपलानी नगर निगम में सफाई कर्मी थी। रविवार सुबह 6 बजे अकीर्ति ईको सिटी के पास झाड़ू लगाते समय उन्हें अज्ञात कार चालक ने रौंद दिया। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। वहीं घायल महिला कर्मचारी को साथियों ने जेपी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चंद मिनट चले उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। माया की मौत की सूचना मिलते ही परिजन भड़क गए और अस्पताल में जमकर हंगामा किया, इस दौरान अस्पताल परिसर में ही तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। परिजनों ने तत्काल आरोपी चालक की गिरफ्तारी, पांच लाख रुपए मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को सरकारी

नौकरी देने की मांग की। हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाइश दी। करीब दो घंटे तक हंगामा करने के बाद परिजनों और परिचितों ने हंगामा शांत किया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का दावा है कि आरोपी चालक की जल्द पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कार की टक्कर से बाइक सवार बाउंसर की मौत

भोपाल, देशबन्धु। टीटी नगर के लिंक रोड नंबर एक स्थित तरण पुष्कर तिराहे पर रविवार तड़के एक तेज रफ्तार कार ने मोटर साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी । गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

टीटीनगर पुलिस ने बताया कि रोहित सारवान 31 मूलत: काला पीपल शुजालपुर का रहने वाला था। फिलहाल वह यहां विकास नगर गोविंदपुरा में रहता था और निजी कार्यक्रमों में बाउंसर का काम करता था। शनिवार रात वह दोस्तों से मिलने का कहकर घर से निकला था। रविवार तड़के करीब पौने चार बजे सेकेण्ड स्टाफ से लिंक रोड नंबर एक होकर घर जा रहा था। जब वह प्रकाश तरण पुष्कर तिराहे पर पहुंचा, तभी बोर्ड आफिस की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसकी मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रोहित हवा में उछला और फिर सड़क

पर गिरकर घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी अस्पताल पहुंच गए थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दी है। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में टक्कर मारने वाली कार दिखाई पड़ी है, जिसका नंबर पता लगाया जा रहा है।

3 फरवरी को होना थी शादी

रोहित के बड़े भाई अमित सारवान ने बताया कि हम शाजापुर जिले के कालापीपल के रहने वाले हैं। पिता खेती किसानी करते हैं। यहां भोपाल के विकास नगर में हम तीनों भाई 7-8 साल से रह रहे हैं। रोहित निजी कार्यक्रमों में बाउंसर का काम करता था। उसकी शादी तय हो चुकी थी। भोपाल की ही एक युवती से 3 फरवरी को उसका विवाह होने वाला था। विवाह के महज ढाई महीने (77 दिन) बचे थे। ऐसे में हमने शादी की तैयारियां भी शुरू कर दी। लेकिन भाई की हादसे में मौत से पूरा परिवार सदमे हैं।

10 मीटर तक घसीटता ले गया कार चालक

अमित ने बताया कि घटना के बाद हमें पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे फुटेज दिखाए हैं, जिसमें कार चालक रोहित को करीब 10 मीटर तक घसीटता हुआ ले जा रहा है। इतने बड़े हादसे के बाद भी कार चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। बाद में वहां से गुजर रहे लोगों ने भाई को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने हमसे आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की बात कही है।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार

4 युवतियों सहित 7 गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। पुलिस ने मिसरोद इलाके में स्पा सेंटर पर दबिश देकर चार युवतियों समेत 3 पुरुषों को गिरफ्तार किया है। इसमें स्पा सेंटर का संचालक भी शामिल है। आरोपी स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कर रहे थे। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक शनिवार रात में मुखबिर से सूचना मिली थी कि आशिमा मॉल के पास रेहान खान के इवा नामक स्पा सेंटर में देह व्यापार किया जा रहा है। घटना की खबर लगते ही पुलिस ने एक आरक्षक को ग्राहक बनाकर स्पा सेंटर पर भेजा और उसका इशारा मिलते ही दबिश दी। यहां से पुलिस ने रेहान खान और शाहनाज हबीब अहमद निवासी फलावर सिटी बागसेवनिया सहित रीना, कृष्णा, सोनम, आरती और ग्राहक ब्रिज को पकड़ लिया। गिरफ्तार युवतियों की उम्र 20 से 24 साल है। ये युवतियां बागसेवनिया, भेल संगम कालोनी, अशोकागार्डन इलाकों की रहने वाली है। इनमें एक शादीशुदा है, और दो कालेज छात्राएं हैं। वहीं पुलिस ने जब स्पा सेंटर की तलाशी ली तो मौके से कई आपत्तिजनक सामान भी मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।

मिसरोद थाना प्रभारी रतन सिंह ने बताया कि अब तक की पड़ताल में सामने आया कि आरोपी रेहान स्पा का संचालक है और शाहनाज से रिलेशन में है। आरोपी लंबे समय से स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार चलाने का काम कर रहे थे। लेकिन करीब एक माह से इनकी गतिविधियां अधिक बढ़ रही थीं। सभी आरोपियों के खिलाफ 3,4 अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। रविवार सुबह आरोपियों को नोटिस देकर थाने से छोड़ दिया गया है।

गर्म कपड़े पाकर वृद्धों के चेहरे पर आई खुशी

भोपाल, देशबन्धु। *लायन सेंचुरी क्लब एवं लायंस आनंद क्लब भोपाल के सदस्यों ने रविवार को च्अपना घरज् वृद्धाश्रम में दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान दोनों क्लब के सदस्यों ने वृद्धाश्रम के वृद्धों को गर्म कपड़े और उनकी जरूरत का अन्य सामान वितरित किया। गर्म कपड़े और जरूरत का सामान पाकर वृद्ध वृद्ध खुश हो गए और उनकी आंखें झलक आईं। इस मौके पर लायन सेंचुरी क्लब और लायंस आनंद क्लब के रीजनल चेयरपर्सन अजीज खान एवं निहारिका निगम, क्लब अध्यक्ष सिद्धांत निगम सहित क्लब के अन्य सदस्य विशाखा श्रीवास्तव, श्रद्धा वर्मा, दीपा शर्मा, आराधना भी उपस्थित थे।*

हवाओं का रुख बदलने से बढ़ा रात का तापमान

अभी इसी तरह बना रहेगा मौसम का मिजाज

भोपाल, देशबन्धु। वर्तमान में उत्तर भारत में कोई प्रभावी मौसमी सिस्टम सक्रिय नहीं है। हवाओं का रुख भी बार-बार बदल रहा है। इस वजह से रविवार को राजधानी सहित पूरे प्रदेश में न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि हुई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अभी दो दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहने की संभावना है। उसके बाद न्यूनतम तापमान में कुछ गिरावट होने के भी आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानियों ने बताया कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के मध्य में द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। उससे एक द्रोणिका भी संबद्ध है। हालांकि इसकी आवृत्ति कम होने के कारण मौसम के मिजाज पर इसका विशेष प्रभाव पड़ने की संभावना कम है। वर्तमान में हवा का रुख दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी बना हुआ है। इस वजह से दिन एवं रात के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने लगी है। सोमवार को भी मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहेगा। लेकिन मंगलवार को पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत से आगे बढ़ जाने के बाद हवाओं का रुख बदलकर फिर उत्तरी होने लगेगा। इस वजह से एक बार फिर रात के तापमान में गिरावट होने लगेगी। इससे ठंड बढ़ने लगेगी।

उधर शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात प्रदेश में सबसे कम 12 डिग्री सेल्सियस तापमान ग्वालियर में दर्ज किया गया। ग्वालियर सहित प्रदेश के 17 शहरों में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। राजधानी में दिन के तापमान में भी वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं भोपाल में दिन का तापमान 32.3 डिग्री सेल्सियस, ग्वालियर में 28.6 डिग्री सेल्सियस, इंदौर में 30 डिग्री सेल्सियस और जबलपुर में 30.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

भोपाल की रेनू ने मैराथन में जीता स्वर्ण पदक

2 माह के प्रशिक्षण में बहाया था पसीना

भोपाल, देशबन्धु। प्रयागराज में आयोजित इंदिरा मैराथन में भोपाल की रेनु सिंधु ने शानदार प्रदर्शन कर महिला वर्ग में पहला स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। अशोक नगर दिल्ली की रहने वाली 12 वीं की छात्रा नूतन दूसरे स्थान पर आईं। तीसरे स्थान पर प्रयागराज की शिप्रा रहीं।

हरियाणा के हिसार की रहने वाली भोपाल के सीआइएसएफ में हवलदार की पद पर कार्यरत 26 साल की रेनु ने 2021 में खेल कोटे के माध्यम से सीआइएसएफ भिलाई में अपनी नौकरी की शुरुआत की थी, 2022 में वे भोपाल आई है। यहां पर सीआइएसएफ के कोच जगवीर सिंह के मार्गदर्शन में अपने खेल को जारी रखा और कई स्पर्धाओं में भाग लिया और सफलता भी प्राप्त की है। प्रयागराज मैराथन के लिए उन्होंने भोपाल में विशेष तैयारी की थी, सीनियर एथलीट राम मिलन के मार्गदर्शन में अभ्यास किया और यह उपलब्धि प्राप्त की है। रेनु ने कहा कि राम मिलन ने उन्हें मैराथन के लिए महत्वपूण टिप्स दिए जो मैराथन में मेरे बहुत काम आया है। मुझे अपनी इस सफलता पर बहुत खुशी हो रही है। इस मैराथन के लिए मैने दो माह तक कठि?न प्रशिक्षण प्राप्त किया था। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह उपलब्धि बहूत मायने रखती है, मुझे खुशी है कि मैं अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही हूं, अपने इस सफर को आगे भी बढाना चाहती हूं।

छत का प्लास्टर गिरने से हुई थी मासूम की मौत

जर्जर मकान के मालिक सहित 2 के खिलाफ प्रकरण दर्ज

भोपाल, देशबन्धु। निशातपुरा थाना क्षेत्र में तीन माह पहले जर्जर मकान की छत का प्लास्टर टूटकर गिरने से कमरे में सो रहे किराएदार के एक वर्ष के बच्चे की मौत हो गई थी। इस मामले की जांच के बाद पुलिस ने मकान मालिक दो साझेदारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

निशातपुरा थाना पुलिस के मुताबिक अगस्त माह में घनश्याम राजौरिया कृषक नगर रुसल्ली में महेश साहू के मकान में परिवार के साथ किराए से रह रहा था। घनश्याम करोंद क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल की एंबुलेंस चलाता है। सात-आठ अगस्त की दरम्यानी रात घनश्याम ड्यूटी पर था। घर में उसका एक वर्षीय पुत्र यश अपनी दादी के साथ सो रहा था, जबकि घनश्याम की पत्नी दूसरे कमरे में सो रही थी। सुबह करीब चार बजे कमरे की छत के प्लास्टर का बड़ा टुकड़ा गिर पड़ा। इससे घनश्याम की मां को तो मामूली चोट लगी, लेकिन मासूम यश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर घनश्याम अपने बेटे को लेकर अस्पताल पहुंचा था। वहां चेक करने के बाद डाक्टर ने यश को मृत घोषित कर दिया था।

उधर इस मामले की जांच कर रहे एएसआइ सतेंद्र चौबे ने बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि यह मकान महेश ने रामनारायण साहू के साथ मिलकर खरीदा था। मकान काफी जर्जर हालत में होने के बाद भी उसने उसे किराए पर दे दिया था। नगर निगम की यांत्रिकी शाखा से भी जांच कराने पर मकान के जर्जर होने की पुष्टि हुई। इस आधार पर आरोपित महेश और रामनारायण साहू के खिलाफ गैरइरादतन हत्या को प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

खुले में शौच नहीं करने की ली शपथ

भोपाल, देशबन्धु। यूथ एंगेजमेंट फॉर सिविक एक्शन प्रोजेक्ट फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा रविवार को यूथ क्लब के सहयोग से विश्व टॉयलेट दिवस मनाया जिसमें यूथ क्लब के सदस्यों द्वारा लोगों को खुले में शौच नही करना, टॉयलेट का उपयोग करना, स्वच्छता आदि को शपथ दिलाई। जागरूकता के लिए आयोजित गतिविधि के दौरान लोगो को घरों के अंदर शौचालय के उपयोग एवं महत्व के बारे में बताया साथ ही कहा कि आप खुद शौचालय का उपयोग करे एवं अपने पड़ोस के लोगो को भी शौचालय के उपयोग के लिये बताए। इस दौरान वॉलंटियर ने चार्ट पेपर के माध्यम से चित्र बनाकर एवम जमीन पर आकृति बनाकर शौचालय के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया। यह गतिविधियां टैगोर वार्ड गांधी नगर, इंदिरा नगर, कोलुआ, सेमरा, दामखेड़ा, 6 नंबर, महादेव बस्ती आदि में की गई।

हमीदिया अस्पताल में मिर्गी मरीजों के लिए हर शनिवार को विशेष इकाई

भोपाल, देशबन्धु। हमीदिया अस्पताल में मिर्गी के मरीजों के लिए अब विशेष इकाई की शुरुआत हो गई। इस नई व्यवस्था की शुरुआत राष्ट्रीय एपिलेप्सी दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान की गई। यह इकाई यहां प्रत्येक शनिवार को संचालित की जाएगी। इस दौरान बताया गया कि हमीदिया अस्पताल में एक सप्ताह में करीब 50 से 60 तक मरीज मिर्गी का इलाज कराने के लिए पहुंचते हैं। अभी इन मरीजों को इलाज के लिए एक से दूसरी जगह भटकना पड़ता है। लेकिन अब अलग इकाई शुरू होने से इन मरीजों को यह राहत हो जाएगी कि उन्हें सारी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी। न्यूरोलोजी विभाग के डॉ. आयुष दुबे ने बताया कि मिर्गी के 80 फीसदी मरीज दवाओं से ठीक होते हैं।

असमंजस बाबू नाटक का मंचन

भोपाल, देशबन्धु। कारवां नाट्य समूह के कलाकार उबेदुल्ला खां ने रविवार शाम शहीद भवन में नाटक असमंजस बाबू में ऐसा अभिनव किया कि दर्शक खुद को ताली बजाने से नहीं रोक सके। सत्यजीत रे की कहानी पर आधारित इस नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक नज़ीर कुरैशी और नाट्य रुपांतरण अखूतर अली ने किया। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और अमृता प्रीतम की कविताओं जहां न राजा के कान थे, न प्रजा की आवाज थी और मैंने जिंदगी से इश्क किया था, जिंदगी मेरे इश्क पर एक वेश्या की तरह हंसती रही। का इस नाटक में बहुत खूबसूरती से प्रयोग किया गया है। नाटक में उबेदुल्ला खां ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। ब्रजेश अनय की प्रकाश परिकल्पना और संचालन प्रभावशाली था।

बाइकों की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत

टीकमगढ़, देशबन्धु। बुडेरा थाना क्षेत्र में रविवार शाम भीषण सड़क हादसा हो गया। दो बाईकों की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है। हादसा मूड़ीखेरा गांव के पास हुआ। चारों मृतकों के शवों को जिला अस्पताल लाया गया है। महिला को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर किया गया है। बुड़ेरा थाने के ग्राम मूडीखेरा के पास रविवार की शाम दो बाइक की भिडंत में चार लोगों की मौत हो गई। इसमें एक महिला की हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे झांसी रेफर कर दिया है। पुलिस ने बताया कि रविवार को सुकनाई निवासी जितेंद्र लोधी अपनी भाभी गुड्डी लोधी को बाइक से सुंदरपुर छोड़ने जा रहा था। उसकी बाइक पर नंदलाल लोधी भी सवार थे। जब इनकी बाइक मूडीखेरा के पास पहुंची तो सामने से बाइक पर आ रहे गनियानी निवासी विक्रम लोधी और अरविंद लोधी की बाइक से उनकी भिडंत हो गई। भिड़त इतनी जबरदस्त थी कि यह पांचों बुरी तरह से घायल हो गए। गुड्डी को छोड़कर किसी के शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 100 पुलिस ने इन पांचों को वाहन में रखकर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। शाम 7 बजे जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जितेंद्र लोधी, नंदलाल लोधी, विक्रम लोधी और अरविंद लोधी को मृत घोषित कर दिया।

महिला को गंभीर हालत में किया रेफर

महिला गुड्डी की हालत नाजुक होने पर उसे तत्काल झांसी के लिए रेफर किया गया है। पुलिस ने इन लोगों के परिजनों को सूचना दे दी है। चारों के शव पोस्ट मार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिए गए है। मामले की जानकारी देते हुए बुड़ेरा थाना प्रभारी रश्मि जैन ने बताया कि घटना में सभी की हालत गंभीर होने पर सीधा जिला अस्पताल भेजा गया था। अभी सभी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

नेत्र परीक्षण शिविर सम्पन्न

टीकमगढ़, देशबन्धु। दिगौड़ा कस्बा में स्थित एक निजी विद्यालय में रविवार को श्रीसद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकी कुंड चित्रकूट के द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें तकरीबन 71 मरीजों अपने रजिस्ट्रेशन करवाकर आंखों की नि:शुल्क जांच करवाई।

चित्रकूट से आए नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ आशीष गुप्ता के द्वारा 16 मरीजों को नि:शुल्क मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए जानकी कुंड चित्रकूट के लिए नि:शुल्क वाहन के द्वारा रवाना किया गया। जहां उनके मोतियाबिंद का ऑपरेशन नि:शुल्क किया जाएगा। मरीजों का आना,जाना,खाना, रहना और समस्त ईलाज नि:शुल्क रहेगा। ईलाज उपरांत समस्त मरीजों को वापिस दिगौड़ा में छोड़ा जाएगा। नेत्र परीक्षण शिविर में आए डॉ अशीष गुप्ता का आभार व्यक्त करते हुए और समस्त मरीजों को विद्यालय के संचालक राजेन्द्र परमार, संजय चौबे, मंजू लाल केवट, प्रशांत चढ़ार द्वारा तिलक लगाकर ऑपरेशन के लिए वाहन से रवाना किया गया। अगले नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन 19 दिसंबर को किया जाएगा।

भोपाल, सोमवार 20 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

चुनाव जीतने हिंसा-गालियों का सहारा

मध्यप्रदेश में एक कांग्रेसी कार्यकर्ता की हत्या तथा प्रचार रैलियों के दौरान इस्तेमाल में लाई जा रही अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से बता दिया है कि वह चुनाव जीतने के लिये किसी भी हद तक जा सकती है। हालांकि कई लोग भाजपा की इन हरकतों को उसकी कमजोर होती स्थिति तथा पराजय का भय भी बतला रहे हैं लेकिन पूरे देश में शासन करने वाली किसी भी सरकार एवं पार्टी का यह उत्तरदायित्व होता है कि वह चुनावों में होने वाली हिंसा को रोके तथा सियासी स्पर्धा को स्वस्थ रहने दे। वैसे पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार से भाजपा ने अराजकता के नये कीर्तिमान गढ़े हैं उसके चलते इस प्रकार की अपेक्षा करना कुछ ज्यादा ही होगा।

ऐसे वक्त में जब पांच राज्यों में से तीन (मिजोरम, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश) में मतदान खत्म हो चुका है, मध्यप्रदेश के खजुराहो पुलिस स्टेशन के बाहर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपने साथियों के साथ टेंट लगाकर धरने दे रहे हैं। उनकी मांग है कि मतदान के दिन (17 नवम्बर को) उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता व छतरपुर के पूर्व पार्षद सलमान खान की हत्या के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाये। हत्या का आरोपी राजनगर के भाजपा प्रत्याशी अरविन्द पटेरिया को बतलाया जा रहा है। पहले मृतक के परिवारजन दो दिनों तक उनका मृत शरीर लेकर धरने पर बैठे थे। शनिवार की शाम दिग्विजय सिंह भी उसमें शामिल हो गये। रात उन्होंने वहीं गुजारी और रविवार की रात तक वे साथियों समेत डटे हुए थे। उनका और परिजनों का आरोप है कि शिवराज सरकार आरोपी को बचा रही है। पुलिस इन दिनों निर्वाचन आयोग के तहत कार्य करने के बाद भी शिवराज के प्रभाव में काम करती दिख रही है क्योंकि पटेरिया के विरूद्ध नामजद रिपोर्ट दायर की गई है। देखना यह होगा कि पुलिस कब तक कार्रवाई करती है।

उधर राजस्थान अब भाजपा व कांग्रेस के बीच चुनावी घमासान के मंजर देख रहा है। यहां भी भाजपा बड़ी सियासी हार का खतरा देख रही है। यहां 15 नवम्बर को मोदी ने बाड़मेर के बायतु में आयोजित एक प्रचार सभा में लोगों से अपील की थी कि 'वे कमल के बटन को ऐसा दबाएं जैसे किसी को सजा दे रहे हैं, फांसी पर चढ़ा रहे हैं।' उनके इस बयान को न सिर्फ गैर लोकतांत्रिक माना जा रहा है वरन घृणा व हिंसा को बढ़ावा देने वाला भी निरूपित किया गया है। उम्मीद थी कि अपनी इस जन आलोचना से स्वयं मोदी तथा उनकी पार्टी के अन्य नेता सबक लेंगे व अपनी भाषा को संयमित, मर्यादापूर्ण तथा शालीन बनाए रखेंगे। ऐसा तो हुआ नहीं, उसी दिन मध्यप्रदेश की अपनी आखिरी जनसभा में उन्होंने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी को 'मूर्खों का सरदार' कह डाला। सम्भवत: उनसे प्रेरणा पाकर केन्द्रीय बाल व महिला विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राजस्थान के ही टोंक के देवली में शनिवार को हुई एक सभा में राहुल के लिये बहुत ही अशोभनीय व असंसदीय टिप्पणी कर दी, जो यह बतलाता है कि भाजपा के पास ऐसे कटु बोल करने वालों की पूरी की पूरी फौज है।

इस तरह के अनेक दृष्टांत देश के सामने पिछले लगभग एक दशक से देखने में आ रहे हैं। इस मामले में भाजपा नित नयी गिरावट दर्ज़ कर रही है और अपने साथ समग्र राजनीति को भी दूषित कर रही है। वैसे इसका कारण यह भी माना जा रहा है कि एक ओर तो भाजपा की इन पांचों राज्यों में स्थिति बहुत नाज़ुक है, तो दूसरी तरफ़, जैसा कि राजनैतिक विश्लेषक बतला रहे हैं और तमाम ओपिनियन पोल से लेकर सर्वेक्षण भी बतला रहे हैं, किसी भी राज्य में भाजपा को शायद ही सफलता मिले। इसके अलावा स्वयं मोदी का जादू हर रोज फ़ीका पड़ता जा रहा है। उनकी कही बातें असर नहीं कर रही हैं। एक ओर कांग्रेस के राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सभाओं-रैलियों में गदर मचा रहे हैं तो वहीं संगठन का प्रचार तंत्र न सिर्फ भाजपा के वार को भोथरा कर रहा है बल्कि प्रत्युत्तर में बड़े हमले कर रहा है। अब तो नौबत यहां तक आ गई है कि कांग्रेस की रैलियों, जनसभाओं एवं रोड शो में लोग चलकर आ रहे हैं, तो वहीं भाजपा की सभाओं में लोगों को ढो कर लाने के बावजूद उनमें खाली कुर्सियां अधिक होती हैं। जिस देवली की सभा का ऊपर ज़िक्र हुआ है, उसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आने वाले थे परन्तु लोग इतने कम आए कि उसमें स्मृति को भेजना पड़ा था।

सत्ता के लिए भाजपा की अति महत्वाकांक्षा देश का लोकतांत्रिक माहौल कलुषित कर रही है। शायद उसे दो तरह की खुशफहमियां हैं- पहली तो यह कि सत्ता में रहना केवल और केवल उसी का अधिकार है। दूसरे यह कि हमेशा वही सत्ता में बनी रहेगी और उसे कोई सत्ताच्युत नहीं कर सकता। यह सोच राजा-महाराजा या किसी तानाशाह शासक की तो हो सकती है परन्तु लोकतांत्रिक प्रणाली में यह सम्भव नहीं है। सत्ताएं आती हैं, उन्हें चुनौतियां मिलती हैं और वे स्थानापन्न होती हैं। उनकी जगह पर कोई और आसीन होता है। इस परम्परा व सहज प्रणाली को कोई भी नहीं तोड़ सका है। न मोदी तोड़ पायेंगे और न ही उनकी पार्टी। जन्म-जन्मांतर तक सत्ता पर काबिज रहने की महत्वाकांक्षा उनसे चुनावी हिंसा को बढ़ावा दे रही है तो दूसरी ओर अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों को अमर्यादित व गरिमाहीन शब्दों से अपमानित करने के लिये उद्धत करती है। इससे वह बाज आए तो बेहतर।

कार्यकर्ता के लिए लड़ने वाले नेता दिग्विजय

नेता ऐसा ही होना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने सर्दी की रात खजुराहो थाने के बाहर खुले में सोते हुए निकाल दी। 17 नवंबर को मतदान के दिन छतरपुर की राजनगर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह उर्फ नाती राजा पर भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया और उनके समर्थकों ने हमला कर दिया था। उन्हें बचाने कांग्रेस कार्यकार्ता सलमान खान आए तो उन पर धारदार हथियारों, कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। और कई गोलियां मार कर सलमान को गाड़ियों से रौंदते हुए भाग गए।

दिग्विजय ने फोन पर वहां से बात करते हुए कहा कि ऐसी क्रूर हत्या नहीं देखी। कई गाड़ियां कांग्रेस कार्यकर्ता के ऊपर से निकाल कर ले गए। घटना के बाद पूरे मध्यप्रदेश और खासतौर से बुन्देलखंड में तहलका मच गया। मध्यप्रदेश में चुनाव में ऐसी घटनाएं नहीं होती हैं। इस बार कई जगह मतदान के दिन और फिर उसके बाद भी हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। मतदान के बाद सागर जिले के रहली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल का घर घेर कर लगातार फायरिंग की गई।

छतरपुर की हिंसा बहुत भयानक थी। कांग्रेस का आरोप है कि वहां के भाजपा प्रत्याशी पटेरिया प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और वहीं खजुराहो के सांसद वीडी शर्मा के खास हैं। इसलिए पुलिस हत्या के आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही। सलमान का परिवार शव लेकर वहीं खजुराहो थाने के बाहर बैठा है। परिवार का कहना है कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी वह अन्तिम संस्कार नहीं करेगा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिग्विजय सिंह शनिवार को ही छतरपुर पहुंच गए। और सीधे परिवार से मिलने पहुंचे। चुनाव तक तो सारे नेता कार्यकर्ता के साथ होते हैं। मगर चुनाव के बाद कम ही नेता कार्यकर्ता और उसके परिवार के साथ खड़े होते हैं। दिग्विजय के साथ उनकी पत्नी अमृता राय भी हैं। वैसे किसी समारोह में वे साथ दिखें या नहीं दिखें मगर संघर्ष में वे साथ होती हैं। शनिवार से वे साथ ही धरने पर बैठी हैं। इससे पहले दिग्विजय की ऐतिहासिक नर्मदा यात्रा में वे पूरे साढ़े तीन हजार किलोमीटर पैदल चली थीं। आधे साल से ज्यादा।

उस नर्मदा यात्रा के बाद ही 2018 में कांग्रेस मध्य प्रदेश में सत्ता में वापस आई थी। 15 साल बाद। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया के धोखे की वजह से 15 महीने में ही सरकार गिर गई। मगर जनता के मन में इस विश्वासघात से गहरी चोट लगी। खास तौर से ग्वालियर चंबल संभाग, बुंदेलखंड में। सिंधिया इसी इलाके का खुद को ठेकेदार मानते हैं। मगर जनता जब तक सम्मान देती है, देती है। मगर फिर जैसे ही उसे लगता है कि नेता हमारे साथ धोखा कर रहा है वह गुस्से में खड़ी हो जाती है। और फिर इस इलाके में तो इसे गद्दारी कहा जाता है। और गद्दारी को सबसे खराब चीज माना जाता है। जनता इस बार ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके साथ भाजपा को कड़ा सबक देने के मूड में लगी।

शकील अख्तर

कांग्रेस पिछले साढ़े नौ साल से केन्द्र की सत्ता से बाहर है। और कांग्रेस नेताओं के तौर तरीकों से कभी लगता भी नहीं था कि वे वापसी के लिए कुछ कर रहे हैं। मगर पिछले साल राहुल गांधी की संघर्षमय भारत जोड़ो यात्रा ने तस्वीर बदल दी। जनता को विपक्ष का लड़ता हुआ अंदाज ही भाता है। दिग्विजय सिंह इस यात्रा के संयोजक थे। उनके पास करीब इतनी ही बड़ी अपनी नर्मदा यात्रा का अनुभव था।

उसी की प्रतिक्रिया में इस बार चुनाव में भाजपा की तरफ से ज्यादा हिंसा देखने को मिल रही है। लेकिन इसका प्रतिकार करके दिग्विजय ने एक नया इतिहास रच दिया है। सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं देश भर में एक संदेश गया है कि नेता हो तो ऐसा। जो अपने कार्यकर्ता और उसके परिवार के साथ ऐसे डट कर खड़ा हो जाए। रात खुले में निकाल दे।

कांग्रेस पिछले साढ़े नौ साल से केन्द्र की सत्ता से बाहर है। और कांग्रेस नेताओं के तौर तरीकों से कभी लगता भी नहीं था कि वे वापसी के लिए कुछ कर रहे हैं। मगर पिछले साल राहुल गांधी की संघर्षमय भारत जोड़ो यात्रा ने तस्वीर बदल दी। जनता को विपक्ष का लड़ता हुआ अंदाज ही भाता है। दिग्विजय सिंह इस यात्रा के संयोजक थे। उनके पास करीब इतनी ही बड़ी अपनी नर्मदा यात्रा का अनुभव था। राहुल के सारथी बन कर उन्होंने पूरी यात्रा संचालित की।

भारत के इतिहास में ऐसा कोई नेता नहीं हुआ जिसने साढ़े तीन-तीन, चार-चार हजार किलो मीटर की दो पैदल यात्राएं की हों। दूसरी यात्रा में भी अमृता राय कई जगह साथ चलती दिखीं।

राहुल तो बहुत ही संघर्षशील नेता हैं। यात्रा के बाद उनकी असली छवि निखर कर सामने आ गई है। जो हजारों करोड़ रुपया भाजपा ने राहुल को पप्पू बनाने में लगाया था वह पानी में बह गया। राहुल की मेहनत और साथ ही पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका की करिश्माई छवि ने कर्नाटक से एक नया इतिहास रच दिया। जीत की वापसी का।

अब पांच राज्यों के चुनाव में खरगे जी राहुल और प्रियंका फिर वैसी ही मेहनत कर रहे हैं। अभी जिन तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में चुनाव हो गए वहां कांग्रेस की स्थिति अच्छी मानी जा रही है। और बाकी दोनों जगह जहां चुनाव होना है राजस्थान और तेलंगाना में वहां कांग्रेस का ग्राफ दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। पहले मुकाबला बराबरी का माना जा रहा था। अब कांग्रेस का पलड़ा भारी बताया जा रहा है।

अगर ऐसा ही रहा तो यह विधानसभा चुनाव अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की पूर्व पीठिका साबित हो जाएंगे। मतलब 2024 का ट्रेलर होगा इन विधानसभा चुनावों का नतीजा। राहुल की मेहनत रंग ले आएगी।

राहुल के पास ऐसे नेता होंगे जो कार्यकर्ताओं में जोश जगा सकें। जनता मन बना रही है। मगर उसे मतदान केन्द्रों तक उसी मन से लाना कार्यकर्ताओं का काम होता है। और कार्यकर्ता जब उत्साह से दिल से यह काम करता है तो जनता अपने मन के साथ कार्यकर्ता का जोश भी जोड़ लेती है।

बड़े नेता की सर्वोच्च सफलता यह होती है कि वह अपने साथ के नेताओं में वही जोश और जज्बा पैदा कर सके जो उसके अंदर है। और फिर नेता उसी जोश को कार्यकर्ताओं में ट्रांसफर कर सके।

उमंग और उत्साह ऊपर से नीचे बहता है। 2014 में कांग्रेस के सब शिखर नेता ढीले पड़ गए थे तो बाकी नेता और कार्यकर्ता भी। और आज जब जोश बढ़ा हुआ है तो वह नीचे के कार्यकर्ता तक और बढ़चढ़ कर जा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो थाने के बाहर उमड़ पड़ी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ बेमिसाल थी। जब दो बार के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह वहां आकर धरने पर बैठ जाएं, रात खुले में गुजार दें, तो आप समझ सकते हैं कि कार्यकर्ता का मनोबल कितना ऊंचा हो जाएगा। और जनता पर कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दिग्विजय ने वहां से डीबी लाइव/देशबन्धु को इंटरव्यू देते हुए कहा कि-भाजपा सरकार जाने वाली है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की 130 से ज्यादा सीटें जीतेगी। उन्होंने चुनाव आयोग से भी कहा कि वह देखे कि कोई गड़बड़ नहीं होने पाए।

दिग्विजय का यह धरना ऐतिहासिक हो गया। कांग्रेस के कार्यकर्ता अब तीन दिसंबर मतगणना के दिन तक चार्ज रहेंगे। ईवीएम मशीनों की निगरानी करते हुए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

क्यों करें सप्ताह में सत्तर घंटे काम?

■ प्रेरणा

जाने-अनजाने 'इंफ़ोसिस' के संस्थापक नारायण मूर्ति ने देश में एक बहस छेड़ दी है। मोहनदास और नारायण मूर्ति किसी दौर में साथ काम करते थे। एक पोडकास्ट में दोनों चर्चा कर रहे थे कि विकास की रफ़्तार कैसे बढ़ाई जाए। नारायण मूर्ति ने उस बातचीत में कहा था कि देश के विकास के लिए नौजवानों को चाहिए कि वे सप्ताह में 70 घंटे काम करें। उन्होंने उदाहरण देते हुए यह भी कहा था कि जिस तरह जर्मनी, जापान ने दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अपने देश को खड़ा करने के लिए जी-जान से मेहनत की, भारत के नौजवानों को भी वैसी ही मेहनत करनी होगी।

नारायण मूर्ति ने काम करने को कहा, लोग बात करने पर टूट पड़े। देश के कोने-कोने से, हर उम्र व पेशे के लोगों ने मूर्ति का ऐसा प्रतिवाद किया जैसे किसी ने उनकी दुखती रग पर पांव रख दिया हो। प्रतिक्रिया आई कि भारतीय दरअसल कितने घंटे काम करते हैं? शहरों में काम करने वालों के घंटे किस तरह गिनेंगे? अपने काम पर जाने के लिए जो लोग घंटों सफर में बिताते हैं, वे इस हिसाब में जुड़ेंगे या नहीं? महिलाओं का क्या, जो चौबीस घंटे, सातों दिन घर के काम करती हैं, बच्चे संभालती हैं और कमाई भी करती हैं? गांव में किसान बिजली के इंतजार में रात-रात भर जागते हैं, उसका हिसाब कौन रखेगा?

हमारे समाज में पूंजी और बुद्धि को अनुपातहीन और बेमेल महत्व दिया गया है? वैसे सभी जानते हैं कि बिना श्रम के पूंजी का कोई अर्थ नहीं है, लेकिन मानते नहीं हैं। जीवन के लिए यदि ये दोनों जरूरी हैं तो यह भी जरूरी है कि इनकी हैसियत बराबर की मानी जाए। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि बीमारी की रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है या उसका इलाज?

बड़ी संख्या में मजदूर दूसरे राज्यों में जाकर सप्ताह में 70 घंटे से कहीं ज्यादा मेहनत करते हैं ताकि चार पैसे बचाकर घर भेज सकें। कोविड के दौरान जब हजारों कामगार शहरों से अपने गांव की तरफ़ लौटने लगे थे तब कहीं देश और इसके शासकों को पहली बार पता चला था कि दौड़ते-भागते हमारे आधुनिक शहर किसके कंधों पर खड़े हैं! ट्विटर पर एमके निधि बताते हैं कि केरल से प्रति सप्ताह चलने वाली 35 सीटों की एक बस ओडिशा के लिए एक सीट का 3500 रुपये किराया लेती है और कभी खाली नहीं चलती। कोई हिसाब लगाएगा कि ये मजदूर प्रति सप्ताह कितनी मेहनत करते होंगे ताकि टिकट और अपने दैनिक खर्च निकाल सकें तथा घर भी पैसे भेज सकें?

विकास एक आधुनिक परिकल्पना है। ज्यादा-से-ज्यादा और जल्दी-से-जल्दी पाने की तीव्र इच्छा विकास की गाड़ी को दौड़ाते हैं। यह सपना देखना और दिखाना कि कैसे कोई एक आदमी पांच रुपया और लोटा लेकर गांव से चला था और कुछ ही वर्षों में देश का सबसे अमीर आदमी बन गया, विकास की कहानी का एक अध्याय लिखता है। फिर यह कि कितनी जल्दी हम पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का ओहदा हासिल करें, दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएं, यह विकास की दूसरी कसौटी है। आज तो इसे एक राष्ट्रीय उद्देश्य का दर्जा ही दे दिया गया है।

कहा जा रहा है कि इसके लिए देश का हर नागरिक हाड़तोड़ मेहनत करे, एक सप्ताह में 70 घंटे तो कम-से-कम करे ही! इन सभी सपनों में जो बात छिप जाती है या छिपाई जाती है वह यह है कि एक किसान / मजदूर या कारकून के लिए ईमानदारी से मेहनत करते हुए करोड़पति बनना वह सपना है जो कभी साकार नहीं होगा। ऐसे सपने दिखाकर कुछ गिने-चुने लोग तेजी से देश के सबसे अमीर आदमी बन सकते हैं, यह तो हम प्रत्यक्ष देख ही रहे हैं। इस खेल की शर्त ही यह है कि सभी जी-जान लगाकर दौड़ें, ताकि कोई एक या दो जीत सके और राष्ट्रीय गर्व का प्रतिमान खड़ा कर सके।

क्या यह बात सूर्य की तरह साफ़ नहीं है कि हमारे समाज में पूंजी और बुद्धि को अनुपातहीन और बेमेल महत्व दिया गया है? वैसे सभी जानते हैं कि बिना श्रम के पूंजी का कोई अर्थ नहीं है, लेकिन मानते नहीं हैं। जीवन के लिए यदि ये दोनों जरूरी हैं तो यह भी जरूरी है कि इनकी हैसियत बराबर की मानी जाए। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि बीमारी की रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है या उसका इलाज? आप झट से जवाब देंगे-रोकथाम ज़्यादा महत्वपूर्ण है! लेकिन अगर रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है तो हमारा सफाई कर्मचारी उस रोकथाम का पहला सिपाही है; उस सफाई कर्मचारी को डॉक्टर से पहले रखना चाहिए। यही बात खेती और उद्योग पर भी लागू होती है। पूंजी, बुद्धि और श्रम का ऐसा गलत समीकरण हमने बना रखा है कि श्रम को पूंजी के सामने हम कुछ मानते ही नहीं हैं।

नारायण मूर्ति इसी के भोले शिकार हैं। कंप्यूटर, सॉफ्टवेर और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- इन सबकी दिशा में हम गए ही इसलिए कि इंसानी मेहनत / श्रम को बचाया जा सके या उस पर होने वाला खर्च कम किया जा सके। हमारी स्कूली शिक्षा विद्यार्थियों को पढ़ाती है कि श्रम करना नीचा है, उससे कोई विकास नहीं होता। शिक्षा व व्यवस्था तो ऐसी बनाई है मूर्ति जैसों ने और फिर कहते हैं कि 70 घंटे युवकों को मेहनत करनी चाहिए!

मनुष्य अपनी रोजी-रोटी के लिए श्रम करता है! जब रोटी महंगी हो जाती है तो वह और ज्यादा मेहनत करता है। अभाव में जीने वाले करोड़ों लोग पहिए पर दौड़ने वाले चूहे की तरह सतत दौड़ते रहते हैं। पूंजी पर चलने वाली व्यवस्था का यह आधारभूत नियम है कि पूंजी तभी तेजी से बढ़ सकती है जब श्रम सस्ता हो; नैसर्गिक संसाधनों को लूटने की खुली छूट हो; सरकारी टैक्स कम-से-कम हों; टैक्स की चोरी व्यवस्था के भीतर की जा सकती हो। इसलिए नारायण मूर्ति जैसे लोग जब युवाओं से 70 घंटे मेहनत की बात करते हैं तब वो उनकी बात करते हैं जिनके श्रम का कोई मोल नहीं और विकास के पहिये में सभी जुत जाएं, ताकि दो-चार लोग दुनिया के सबसे अमीरों में अपना नाम लिखवाएं और विश्वगुरु बन जाएं।

गांधीजी जब 'दूसरी गोलमेज परिषद' के लिए इंग्लैंड गए थे तो उनसे बार-बार निवेदन किया गया था कि आप यहां तक आ ही गए हैं तो अमेरिका के लोगों के बीच पहुंचकर, उन्हें भी अपना संदेश दें। आइंस्टाइन ने भी गांधीजी से ऐसा ही अनुरोध किया था। गांधीजी ने जवाब में तब जो कहा था वही आज भी भारत व दुनिया के लिए सबसे मतलब की बात है। उन्होंने कहा था कि-जब तक अमेरिका पूंजी के पीछे की अपनी पागल दौड़ छोड़ता नहीं है, उसे देने के लिए मेरे पास कुछ है ही नहीं। इसलिए मूर्ति यदि 70 घंटे की मेहनत की पैरवी के साथ यह भी बता सकें कि युवाओं को इतनी मेहनत क्यों करनी चाहिए, तो गांधीजी और हमारा सबका ज्ञानवर्धन हो सकेगा।

(लेखिका गांधीवादी-अर्थशास्त्र की अध्येता हैं।)

गुरवाणी विचार

अव्वल अल्लाह नूर उपाइआ कुदरत के सब बंदे

ऐसा नाम एकन निरमोलक पुनि पदारथ पाइआ
अनिक जतन करि हिरेदे राखिया- रतन न छपै छपाइआ।
हरि गुण कहते कहन न जाई-जैसे गूंगे की मठिआई (रहाओ)
रसना रमत सुनत सुख स्वरना- चित चेते सुख होई।
कहो भीखन हुए नैन जहं देखा तहं सोई।।

गुरवाणी की यह पंक्तियां गुरु ग्रंथ साहिब के अंग 659 से ली गई है। इसमें भक्त भीखण जी मानव मन को समझाइश देते हुए कह रहे हैं कि प्रभु परमात्मा का नाम एक ऐसा अनमोल पदारथ है जो रतन जवाहर की तरह बहुमूल्य है। मनुष्य को पूर्व जनमों के पुण्य से यह मानवदेही मिली है। इस मानव देही को पाने के लिए देवता भी तरसते हैं। बिना प्रभु परमात्मा के सिमरन बंदगी किए मानवदेही की प्राप्ति नहीं हो सकती। इंसान इस प्राप्ति को छिपाने की कोशिश करता है। फिर भी यह हीरे-जवाहरात को कितना भी छिपा कर रखे उसे लोग समझ नहीं पाते कि उसे छिपा नहीं सकते। फूल में खुशबू रहती है लोग उसे कितना ही बंद कमरे में रखें लेकिन उसकी खुशबू छिप नहीं सकती। ठीक इसी प्रकार प्रभु प्राप्ति एक ऐसा जवाहर हीरा है जिसे हम कितना भी छिपाएं उसकी खुशबू फैल ही जाती है।

हरि प्रभु परमात्मा की सिमरन बंदगी करते-करते जो आनंद की अनुभूति है उसकी प्राप्ति के स्वाद से रस की प्राप्ति होती है। उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। एक गूंगे इंसान को मिठाई खिलाई जाए तो वह उसका स्वाद बता नहीं पाएगा। ठीक इसी प्रकार प्रभु परमात्मा की प्राप्ति से प्राप्त आनंद की अनुभूति को वह नहीं बता पाएगा पर हर वक्त वह महसूस कर पाएगा और आनंदित हर वक्त रहेगा।

इस रतन रूपी प्रभु नाम की सिमरन बंदगी करते रहने पर हमारी जिव्हा को भी सुख मिलता है। कानों को प्रभु कथा सुनने से आनंद की अनभूति होती है। हर वक्त फिर नेत्रों को ऐसा महसूस होता है कि प्रभु परमात्मा सर्वत्र विराजमान है। हम सब एक परमात्मा की संतानें हैं और प्रभु परमात्मा ने प्रत्येक प्राणी की रचना कर फिर उसी कृति में विराजमान होकर उसके द्वारा किए जा रहे प्रत्येक क्रियाकलापों को देख रहा है। इस तरह जिस-जिस इंसान ने प्रभु सिमरन बंदगी कर उसकी प्राप्ति कर ली है उसने यह महसूस कर लिया है कि प्रत्येक इंसान में प्रभु परमात्मा मौजूद है। इस तरह सब एक दूसरे के भाई हैं। न ही कोई बुरा है। भक्त कबीरदास जी यही बात कह रहे हैं-

अव्वल अल्लाह नूर उपाइआ कुदरत के सब बंदे।
एक नूर ते सब जग उपजिया कौन भले को मंदे।।

इस तरह हर इंसान अच्छा है बुरा कोई भी नहीं है। सुख दुख अपने अपने किए कर्मों के अनुसार उसे प्राप्त होता है। इसीलिए भक्त भीखणजी इंसान को समझा रहे हैं कि प्रभु परमात्मा के नाम सिमरन करते मेरी आंखों में ठंडक आ गई है। मैं जहां पर भी नजर दौड़ाता हूं मुझे उस जगह प्रभु परमात्मा नजर आने लगा है। इसलिए हर इंसान को चाहिए कि वह प्रभु सिमरन कर उसकी प्राप्ति कर लें। तभी हमारा मानव जीवन पाकर धरा पर आना सार्थक समझा जाएगा और हम इस लोक और परलोक में भी सुखपूर्वक जिंदगी बिता पाएंगे और हमें सांचे दरबार में भी स्थान प्राप्त हो पाएगा।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

पूंजी-प्रधान हो गए हैं पर्व-त्यौहार

समाज में जैसे-जैसे आधुनिकता का समावेश हो रहा है, वैसे-वैसे हमारे तीज-त्यौहारों पर भी उसका प्रभाव स्पष्ट देखा जा रहा है। दीवाली जैसा हमारा पारम्परिक त्यौहार भी आधुनिकता की चपेट से नहीं बच पाया है। पहले लोग दीवाली के दिन श्रद्धापूर्वक अपने घर के अंदर व बाहर सरसों तेल अथवा घी के दीये जलाते थे और रात के समय सपरिवार पूजन में शामिल होते थे, लेकिन अब प्रतीकात्मक कुछ दीये जलाने की रस्म निभाने के साथ मोमबत्तियों व रंग-बिरंगी लाइटों का इस्तेमाल होने लगा है। पूजन तथा घर में खाने के लिए तरह-तरह के पकवान घरों में ही बनाए जाते थे, लेकिन अब बाजार की मिठाईयों व ड्राई-फ्रुट्स का चलन हो गया है। हल्के पटाखों की जगह कानफोडू और अत्यधिक जहरीला धुआं उगलने वाले पटाखों ने ले ली है। हर तरफ दिखावे की होड़ और उपहार संस्कृति नजर आने लगी है।

एक विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती कुसुम शंकर कहती हैं कि पहले लोगों में अपने घर में अधिक-से-अधिक दीये जलाने और घर की मुंडेर पर दीयों की कतार सजाने के लिए अपार उत्साह देखा जाता था। लोग दीये जलाने के लिए प्राय: बच्चों के हाथों से ही रूई की बाती बनवाते थे, लेकिन दीयों के लिए बाती भी अब बाजार से रेडीमेड मिलती है और लोगों में दीयों के बजाय रंग-बिरंगी मोमबत्तियों व इलेक्ट्रॉनिक लाइटों के प्रति आकर्षण बढ़ गया है।

प्रकाश पर्व दीवाली पर पहले जो सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिलता था, अब वो बात नहीं रही। लोगों के बीच पहले इस अवसर पर जो सौहार्द देखा जाता था, वह खत्म सा हो गया लगता है और दीवाली पर पूरी तरह आधुनिकता हावी नजर आती है। पाश्चात्य संस्कृति में रंगे बहुत से युवा भी अब दीवाली पर अपने परिवारजनों के साथ पूजा-पाठ में भाग न लेकर क्लबों व पार्टियों में इस अवसर पर अपने तरीके से जश्न मनाते हैं।

बाजार की मिठाईयों का चलन बढ़ने के कारण दीवाली के अगले दिन बहुत से लोगों के गले खराब नजर आते हैं क्योंकि बाजार की मिठाईयां शुद्ध नहीं रही।

दीवाली के बदलते अंदाज पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बैंक अधिकारी एसके नागपाल कहते हैं कि पहले जहां आस-पड़ोस में एक-दूसरे के घर जाकर मिठाईयां भेंट करके बधाई देने की परम्परा थी और आपसी मेलजोल तथा भाई-चारे का माहौल देखने को मिलता था, वहीं अब लोग आस-पड़ोस में मिठाईयां या उपहार बांटने के बजाय उन्हीं लोगों को उपहार देते हैं, जिनसे उनका कोई लाभ हो और उपहारों में भी मिठाईयों का चलन तो खत्म हो गया है। मिठाईयों की जगह अब महंगे ड्राई फ्रुट्स अथवा महंगे-महंगे उपहार दिए जाते हैं।

पहले जहां धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परम्परा थी, वहीं अब लोग बर्तन खरीदने के बजाय विभिन्न स्कीमों का लाभ उठाकर इस अवसर पर फ्रिज, टीवी, एसी इत्यादि खरीदते हैं। नागपाल मानते हैं कि अब दीवाली पर दिखावा ज्यादा बढ़ गया है और उसी के अनुरूप खर्च भी बढ़ रहा है।

योगेश कुमार गोयल

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

कुर्मी क्षत्रिय समाज ने की कांग्रेस प्रत्याशी के घर जानलेवा हमला करने वालों पर कार्रवाई की मांग

रायसेन, देशबन्धु। चुनाव के दौरान सागर जिले की रैली विधानसभा क्षेत्र के गढ़ाकोटा में कांग्रेस प्रत्याशी इंजीनियर ज्योति पटेल के घर पर हुए जानलेवा हमले की रायसेन जिला कुर्मी क्षत्रिय समाज ने निंदा करते हुए भाजपा प्रत्याशी गोपाल भार्गव के समर्थन में जिन्होंने हमला किया गया है उन पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। कुर्मी क्षत्रिय समाज के जिला अध्यक्ष भरत सिंह पटेल एवं समाजसेवी मुरली मनोहर गौर, हरिकृष्ण गौर, कमल गोर, श्याम गौर, देवकरण पटेल, बद्री प्रसाद पठ्या, नितेश पटेल, सहित समाज के अनेक पदाधिकारियों ने कहा कि हमला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो समाज सड़कों पर उतरने मजबूर होगा। कुर्मी क्षत्रिय समाज के पदाधिकारियों ने इंजीनियर ज्योति पटेल को सुरक्षा प्रदान करने की भी मांग की है, । समाज के लोगों ने बताया कि वह इस घटना की शिकायत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महामंत्री को भी करेंगे। इसके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को भी इस घटना से लिखित आवेदन और ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराएंगे।

मंदिर में लगाया छप्पन भोग

सिरोंज। कार्तिक मास की पंचमी पर शहर के अनेक मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव का उल्लास और उत्साह दिखाई दिया। कठाली बाजार स्थित साहू समाज की सेवा वाले बिहारी मंदिर में इस अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया। ठाकुर जी को महाप्रसादी भेंट करने के साथ ही यहां पर श्याम कीर्तन महोत्सव का आयोजन भी किया गया। आयोजन समिति के सदस्य रामप्रकाश साहू ने बताया कि इस अवसर पर ठाकुर जी को छप्पन भोग भी भेंट किए गए। इसी तरह नेमा समाज के भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर और छिपेटी बाजार स्थित द्वारिकाधीश मंदिर में भी इस अवसर पर अन्नकूट उत्सव मनाया गया। यहां भी भजन-कीर्तन का दौर देर रात तक चला। इस अवसर पर इन सभी मंदिरों में अन्नकूट की प्रसादी प्राप्त करने के लिए देर रात तक श्रद्धालुओं की कतार लगी रही।

रघुवंशी को मिली बड़ी जिम्मेदारी, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री बनाया

सिरोंज, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की अनुशंसा पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र रघुवंशी को एक बार फिर संगठन ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। रघुवंशी को प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया है। विगत पांच वर्षों से रघुवंशी सचिव नियुक्त थे। वर्तमान में उनके पास विधानसभा चुनाव में सागर का प्रभार भी है और विगत वर्षो मे कांग्रेस संगठन द्वारा प्रदेश के वाहर भी कई राज्यों में विधानसभा चुनावो मे भी बडी जिम्मेदारी मिल चुकी है। नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रघुवंशी का स्वागत किया। इस दौरान ईरशाद गौरी, राकेश यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

सैकड़ों दीपों से जगमगाया प्राचीन मिश्र तालाब, की आतिशबाजी

भोजपुरी समाज ने उत्साह से मनाया छठ पर्व, सजाए गन्ने के मंडप

- डूबते सूरज को दिया अर्घ्य, आज सुबह उगते सूरज के साथ खोला जाएगा व्रत

रायसेन, देशबन्धु। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी शहर में भोजपुरी समाज के लोगों द्वारा पूरे उत्साह के साथ डाला छठ का पर्व धूमधाम के साथ स्थानीय प्राचीन मिश्र तालाब के किनारे पर मनाया गया। नगर में करीब 300 से अधिक परिवार भोजपुरी समाज के निवास करते हैं जो प्रतिवर्ष इस डाला छठ पर मिश्र तालाब पर विशाल आयोजन रखते हैं। यहां भोजपुरी समाज की महिलाओं द्वारा दीप जलाते हुए गन्ना के शानदार मंडप सजाए गए। इस अवसर पर भोजपुरी समाज के लोगों द्वारा डूबते हुए सूरज को अर्घ्य दिया एवं विशेष पूजा अर्चना की गई, इस रात को निर्जला व्रत रखकर महिलाएं डाला छठ का कठिन व्रत रखती है। सोमवार को उगते सूरज के साथ भोजपुरी समाज की महिलाएं अपना व्रत सूरज को अर्घ्य देने के साथ खोलेंगी। ज्ञात हो कि डाला छठ मानने की परंपरा बिहार प्रांत में सर्वाधिक है। इसी क्रम में रायसेन जिले के औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में भी बड़ी संख्या में भोजपुरी समाज निवास करती है यहां भी डाला छठ का त्यौहार अति उत्साह के वातावरण में भोजपुरी समाज द्वारा धूमधाम के साथ मनाया गया है। रविवार को भोजपुरी समाज ने अपना परंपरागत डाला छठ का बड़ा त्यौहार श्रद्धा भाव के साथ मनाया एवं भगवान सूर्य नारायण से प्रार्थना करते हुए सुख समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर भोजपुरी समाज के महिला पुरुष एवं बच्चों में विशेष उत्साह का वातावरण देखा जा रहा था।

थाना परिसर में रक्षा समिति का 24वां अधिकार दिवस कार्यक्रम आयोजित

रक्षा समिति अपनी अलग ही पहचान बना चुकी है: मिश्रा

गंजबासौदा, देशबन्धु। रक्षा समिति का 24वां अधिकार दिवस कार्यक्रम रविवार को शहर थाना प्रांगण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रक्षा समिति मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के प्रांतीय संयोजक दीपक तिवारी ने कहा कि उनके निरंतर प्रयास से 18 नवंबर 1999 को मध्य प्रदेश विधानसभा में सभी विधायकों की सहमति से ग्राम नगर रक्षा समिति के सदस्यों के लिए विधेयक पास करके अधिकार संपन्न बनाया गया था। रक्षा समिति के सदस्यों को विशेष पुलिस अधिकारी लोक सेवक का दर्जा देकर कानूनी रूप दिया था तभी से हर वर्ष रक्षा समिति अपना अधिकार दिवस मनाती है। आज शुरुआत हुई है अधिकार दिवस की जब तक रक्षा समिति के सदस्यों को अधिकार नहीं मिल जाएंगे तब तक प्रदेश में प्रतिदिन बीट स्तर पर चौकी स्तर पर थाना स्तर पर अनुभाग स्तर पर जिला स्तर पर रेंज एवं प्रदेश स्तर पर कार्यक्रम होते रहेंगे। उन्होंने ने कहा जब तक रक्षा समिति के सदस्यों को मान सम्मान स्वाभिमान के साथ मानदेय वर्दी के साथ अधिकार नहीं मिलेगा प्रयास करते रहेंगे। चुनाव के कारण इस वर्ष प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारी की उपस्थिति में अधिकार दिवस मनाया। अगला 25 वरं अधिकार दिवस 25 हजार सदस्यों की उपस्थिति में गंजबासौदा में बड़े रूप में मनाया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष रूप से अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनोज मिश्रा ने रक्षा समिति के सदस्यों को अधिकार दिवस पर शाल श्रीफल से सम्मान किया मिष्ठान खिलाया और कहा कि रक्षा समिति अपनी अलग पहचान बना चुकी है।

रक्षा समिति के सदस्य जिस समर्पण भाव से सेवा कर रहे हैं उनकी जितनी तारीफ की जाए कम है। रक्षा समिति के सदस्य इसी तरह का सहयोग करते रहेंगे शीघ्र ही एक बड़ा आयोजन पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में होगा। थाना प्रभारी देहात हरिशंकर लोहिया ने सदस्यों के सहयोग की तारीफ करते हुए कहा कि आगामी कार्यक्रम में इसी तरीके से पुलिस को सहयोग करते रहेंगे। रक्षा समिति के कानूनी सलाहकार अरविंद अवस्थी शंभू शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विधेयक को पढ़कर सुनाया गया एवं बीट थाना अनुभाग जिला प्रदेश के पदाधिकारी बनाए गए। कार्यक्रम में भोपाल एवं नर्मदा पुरम रेंज के प्रमुख पदाधिकारी सहित राहुल शर्मा, रामबाबू तिवारी, मोहन कुशवाहा, हेमंत व्यास, रवि शंकर जोशी, दीपक जोशी, विनोद रघुवंशी, राजेश कुशवाहा, हुकम सिंह साहू, भवानी सिंह रघुवंशी, दातार सिंह, मुकेश विश्वकर्मा, राहुल नामदेव, रंजीत लखपत, प्रदीप डॉली शर्मा, कलाबाई शर्मा, नारायणी कुशवाह, जयंती विश्वकर्मा सहित प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

लक्ष्मीबाई और इंदिरा गांधी की जयंती मनाई

गंजबासौदा, देशबन्धु। कांग्रेस कार्यालय में रविवार को पूर्व विधायक निशंक जैन के मुख्य आतिथ्य में रानी लक्ष्मीबाई एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई। जिसमें पूर्व विधायक निशंक जैन ने उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्हें महान क्रांतिकारी नेता निरूपित किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील बाबू पिंगले ने भी संबोधित किया। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अदनान ने इंदिरा गांधी के द्वारा किए गए कार्यों को विस्तार से बताया। वहीं वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह नागोरी, ताराचंद अहिरवार, ने दोनों के इतिहास के बारे में बतलाया। मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान प्रमुख रूप से शरद शर्मा, गौरव शर्मा, मणिकांत श्रीवास्तव, त्योंदा कमल रघुवंशी, कुल्हा शेरसिंह कुशवाह, विष्णु शर्मा, अंसार, जगन्नाथ अहिरवार, नितेश नायक, प्रशांत यादव, गौरव जैन, धर्मचंद जैन सहित अनेक कांग्रेसी मौजूद रहे।

श्रमदान दल ने घाट की सफाई कर निकाला 1 ट्रॉली कचरा

गंजबासौदा, देशबन्धु। जल स्वच्छता संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन की दिशा में प्रयासरत श्रमदान दल द्वारा अपने साप्ताहिक श्रमदान अभियान के सातवें चरण में रविवार बेतवा नदी स्थित रिपटा घाट पर स्वच्छता अभियान संचालित किया। तीन घंटे तक चले श्रमदान कार्य में दल के सदस्यों ने नदी के प्रवाह क्षेत्र एवं घाट किनारे से लगभग एक ट्राली कचरा निकाला। मालूम होकि विगत दो वर्षों से लगातार बेतवा नदी पर स्वच्छता अभियान को संचालित कर रहे श्रमदान दल के सदस्य श्रमदान के साथ साथ विभिन्न माध्यमों से लोग को जागरूक करने का भी कार्य कर रहे हैं ।रविवार को श्रमदान कार्य में नीरज साहू, एवन सिंह विश्वकर्मा, अजय गुप्ता, दिनेश चौरसिया, आकाश अग्रवाल, सूर्य प्रताप राजपूत, यथार्थ राजपूत, आकाश जैन, बाल श्रमदानी तदार्थ राजपूत, जैत्र राजपूत उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने अर्पित की पुष्पांजलि

सिरोंज, देशबन्धु। नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर मनायी गयी। इस दौरान अध्यक्ष ईरशाद गौरी, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र रधुवंशी, उमाकांत भारद्वाज , राकेश यादव, मंगल, बुंदेल सिंह कुशवाह पूर्व सरपंच आदि मौजूद थे।

मवेशी से टकराया बाइक सवार, मौत

मुरैना, देशबन्धु। जिले के दिमनी थाना अंतर्गत ऐसाह गांव के पास शनिवार की रात मवेशी से टकराकर बाइक सवार की जिला अस्पताल में दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दिमनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ऐसाह गाँव निवासी 45 वर्षीय गजेंद्र पुत्र नत्थू तोमर शनिवार को किसी काम से बाइक पर सवार होकर अम्बाह कस्बे में गया हुआ था। काम पूरा होने के बाद जब गजेंद्र अपने गाँव रात को आ रहा था, तभी अम्बाह रोड स्थित टेकरी के पास बीच सडक़ पर एक आवारा मवेशी आ गया, जिससे गजेंद्र की बाइक टकरा गई और सडक़ पर गिरने से गंभीर घायल हो गया। जब परिजनों को पता चला तो मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत जिला अस्पताल लेकर आये, यहाँ इमरजेंसी ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टर ने चैकअप किया और गजेंद्र को मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम कराकर लाश उसके परिजनों को सौंप दी है तथा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच आरंभ कर दी है।

तूरी से भरा ट्रैक्टर पलटा, क्वॉरी नदी पर यातायात रहा बाधित

मुरैना, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना अंतर्गत घरोना हनुमान मंदिर से आगे स्थित क्वॉरी नदी के पुल पर एक ट्रैक्टर ट्राली पलट जाने से मार्ग अवरुद्ध हो गया, जिससे वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन के द्वारा ट्रैक्टर ट्राली को हटवाया गया। क्वॉरी नदी पुल पर तूरी से भरा हुआ ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई, जिससे एक तरफ़ का कुछ दूरी तक ट्रैफिक बंद किया गया। एक्सीडेंट में किसी की घायल होने की खबर नहीं है।

गोवंश को ट्रैक्टर ट्रॉली से घसीटते वीडियो वायरल, कांग्रेस नेता ने पुलिस में की शिकायत

मुरैना, देशबन्धु। जिले की सबलगढ़ तहसील में गोवंश की क्या दुर्दशा हो रही है, इसका उदाहरण रविवार को देखने को मिला, जब एक ट्रैक्टर ट्राली चालक मृत पड़ी गाय को ट्रैक्टर ट्राली से घसीटते हुए ले जा रहा था। लोगों द्वारा इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है तथा पुलिस में भी कांग्रेस नेता ने शिकायत की है। बताया जाता है कि सबलगढ़ से कैलारस की ओर जाने वाली रोड नहर से आगे बकसपुर तिराहे के पास रविवार की सुबह 7:45 बजे एक गोवंश की मृत्यु हो जाने के बाद एक ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर से गोवंश को बांधकर घसीटता हुआ नजर आया। इसकी रिपोर्ट कांग्रेस नेता मोहम्मद वाजिद को जब नजर आई तो उन्हें इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अवगत कराया।

एक्सीलेंस स्कूल में बने स्ट्रांग रूम में ईव्हीएम मशीनों की कड़ी सुरक्षा

छतरपुर, देशबन्धु। 17 नवंबर को मतदान के बाद तमाम प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में लांक हो चुका है। इन ईवीएम मशीनों को छतरपुर के शासकीय उत्कृष्ट उण्माण्विद्यालय यानि एक्सीलेंस स्कूल में बने विधानसभावार स्ट्रांग रूमों में रखवाया गया है। इनकी सुरक्षा की व्यवस्था श्री लेयर में की गई है। मतगणना दिवस 3 दिसंबर तक इन स्ट्रांग रूमों की निगरानी श्री लेयर सिक्योरिटी करेगी। स्ट्रांग रूम के पास

ही मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों अथवा अभ्यर्थियों द्वारा निगरानी किए जाने की समुचित व्यवस्था प्रशासन द्वारा की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जीआर ने बताया कि विधानसभावार ईवीएम मशीनें शील्ड स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी गई हैं। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा की गई है। इसकी श्री लेयर सिक्योरिटी के तहत पहली लेयर में सेन्ट्रल आर्म फोर्स को तैनात किया है। दूसरी लेयर में स्टेट आर्म फोर्स निगरानी कर रही है और तीसरी लेयर मे पुलिस की चौकसी है। इसके अलावा स्ट्रांग रूप में चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिनका फीडबैक राजनैतिक दलों, अभ्यर्थियों के अलावा अधिकारियों के पास पहुंचेगा। इसी तरह ए और बी कैटेगिरी की ईवीएम और वीवीपीएटी की निगरानी के लिए स्ट्रांग रूम के समीप ही टेंट एवं एलईडी की व्यवस्था की गई है।

यहां राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों अथवा उनके प्रतिनिधियों को सुविधाजनक तरीके से बैठाया जायेगा, वे यहीं से स्ट्रांग रूम की निगरानी कर सकेंगे। सभी प्रत्याशियों से अपने प्रतिनिधि को अधिकृत पत्र के साथ यहां भेजने को कहा गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पथ प्रदर्शन के रूप में जन-जन के मन में बसी रहेगी: शर्मा

मुरैना, देशबन्धु। आयरन लेडी के नाम से पूरी दुनिया में मशहूर भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती पर जिला कांग्रेस कार्यालय में उनके चित्र पर पुष्पहार अर्पित करते हुए उन्हें याद किया और श्रद्धा एवं उत्साह के साथ जयंती मनाई गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण मधुराज तोमर ने कहा कि देश-दुनिया को शासन के सूत्र समझाने वाली, साहस, सरलता के साझे व्यक्तित्व की धनी, देशभक्ति को मन, वचन, कर्म से धारण करने वाली इंदिरा हमेशा पथ प्रदर्शक के रूप में जन-जन के मन में बसी रहेंगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहर दीपक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को राजनीतिक रूप से प्रभावशाली नेहरू परिवार में हुआ था। ऐसे में आज देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती है। इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें हमारे साथ-साथ पूरा देश याद कर रहा है। भारत रत्न स्व. इंदिरा गांधी वज्र के समान साहस रखने वाली महिला थी और उन्हें आयरन लेडी के नाम से पूरी दुनिया में पहचान मिली तथा उन्होंने भारत को एक सशक्त और मज़बूत राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाई। इंदिरा गांधी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय पर एक बड़ी एल.ई.डी लगाकर सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों ने एक साथ बैठकर भारत और ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड कप फाइनल मैच देखकर आनंद लिया एवं खुशी के इस अवसर पर मिठाई भी वितरण की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण मधुराज तोमर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहर दीपक शर्मा, सभापति राजा डंडोतिया, कार्यकारी अध्यक्ष ग्रामीण सुनील शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी रामौतार शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष शहर विनोद शर्मा, प्रवक्ता शहर कांग्रेस हरीश पाठक, रामू तोमर, किशन पंडित, गोविन्द गोले, एड. मनीष शर्मा, अवनीश कटारे, नरेन्द्र सिकरवार आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

सोशल मीडिया पर महिला पार्षद पर अभद्र टिप्पणी, प्रकरण दर्ज

मुलताई, देशबन्धु। नगर के विवेकानंद वार्ड से कांग्रेस की महिला पार्षद पर सोशल मीडिया पर डाली गई पोस्ट पर अभद्र टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस द्वारा केस दर्ज किया गया। टीआई प्रज्ञा शर्मा ने बताया कि महिला पार्षद अंजली शिवहरे ने थाने में रिपोर्ट करते हुए बताया कि हनी खुराना द्वारा बीते कल 18 नवंबर को फेसबुक पोस्ट डाली गई यही। जिस पर विवेकानंद वार्ड निवासी नीलेश उर्फ नीलू पिता इंदलराम फुलवार द्वारा महिला पार्षद पर अभद्र कमेंट्स की गई। जब पार्षद श्रीमती शिवहरे अपने पति सुमित शिवहरे के साथ नीलेश को समझाने के लिए पहुचीं तो नीलेश ने उनके साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस द्वारा नीलेश के खिलाफ आचार सहिंता के उल्लंघन करने पर धारा 188 एवं गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने धारा 294,506 भादवि एवं सोशल मीडिया पर अभद्र कमेंट्स करने पर धारा 66 डी आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। वहीं दूसरी ओर नीलेश की रिपोर्ट पर उसके साथ गाली गलौच कर मारपीट करने के मामले में पार्षद पति सुमित शिवहरे, आशीष सोनी एवं कपिल खंडेलवाल के खिलाफ धारा 294,323,506 भादवि के तहत केस दर्ज किया है।

शहीद स्तंभ के पास लगा जिले का सबसे ऊंचा तिरंगा बदला गया

मुलताई, देशबन्धु। नगर के बस स्टैंड पर शहीद स्तंभ के पास लगा बैतूल जिले का सबसे उंचे तिरंगे झंडे को रविवार बदला गया। समाजसेवी लोकेश गिदकर ने बताया कि अगस्त में इस तिरंगे झंडे की स्थापना की गई थी जो की झंडे का एक कोना क्षतिग्रस्त होने के कारण उसे तत्काल बदल दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा एवं नगर वासी मौजूद रहे। इन लोगों ने कहा कि यह तिरंगा झंडा देखकर उनके जहन में देशभक्ति की भावना जागृत होती है और हमारा सर गर्व से ऊंचा हो जाता है। यह तिरंगा न सिर्फ मुलताई अपितु पूरे बैतूल जिले की शान है। इसका एक कोना छतिग्रस्त हो गया था जिसके बारे में लोकेश को जानकारी दी गई थी, उन्होंने तत्काल संज्ञान लेकर इसे बदला। तिरंगा झंडा बदलने से नगरवासियों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर शुभम पंडाग्रे, रोबिन सिंह परिहार, गगन साहु, सौरभ दुबे, सचिन वराठे, कृष्णा पवार, दिनेश साहु, पवन पाठेकर, जितेंद्र निरापूरे, कुश राजपूत, लक्की साहू आदि उपस्थित रहे।

एम्बुलेंस न मिलने पर घायलों को फायर ब्रिगेड से पहुंचाया अस्पताल

मासोद मार्ग पर हादसा: डंपर की टक्कर से पलटी पिकअप, 4 घायल

मुलताई, देशबन्धु। मासोद रोड पर ग्राम सांडिया के पास एक डंपर चालक ने वाहन तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर पिकअप को टक्कर मार दी, जिससे पिकअप पलट गई और पिकअप में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना स्थल पर एंबुलेंस नहीं पहुचने से आग बुझाकर वापस आ रही फायर ब्रिगेड से घायलों को नगर के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां दो लोगों की हालत गंभीर बताई गई। दुर्घटना के बाद डंपर मौके से फरार हो गया। फायर ब्रिगेड कर्मचारी गिरीश पिपले, राहुल चंडालिया, सुमित पूरी ने बताया कि वे आगजनी की घटना से वापस आ रहे थे तभी सांडिया के पास एक पिकअप के पलटने से चार लोग गंभीर रूप से घायल पड़े हुए थे और तड़प रहे थे। उन्होंने तुरंत ही दमकल से चारों घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। घायल जितेंद्र पिता गुलाबराव निवासी रायआमला ने बताया कि वह टमाटर बेचने के लिए मुलताई आए थे और टमाटर बेचकर मुलताई से वापस जा रहे थे तभी सांडिया के पास उनकी पिकअप को डंपर ने टक्कर मार दी। जिससे पिकअप में सवार भावेश पिता गंगाधर 15 साल, जितेंद्र 32साल मयंक 23साल, वासुदेव 30 साल घायल हो गए। घायल भावेश और मयंक को गंभीर चोट आने जिला चिकित्सालय बैतूल रेफर किया है।

कुएं के पानी को लेकर विवाद में चाकू मारने वाले छोटे भाई पर प्रकरण दर्ज

मुलताई, देशबन्धु। मुलताई पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम मंगोना खुर्द में कुए से फसलों की सिंचाई के लिए पानी लेने के चल रहे विवाद में बड़े भाई के गले पर चाकू मारने वाले छोटे भाई के खिलाफ केस दर्ज किया है। ग्राम मंगोनाखुर्द निवासी घायल सुभाष की पत्नी शशि सैयके ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि उसके देवर प्रकाश पिता गोमा सैयके के खेत आस पास स्थित है। शनिवार की दोपहर वह अपने पति सुभाष के साथ अपने खेत पर गई थी। गेंहू की फसलों की सिंचाई के लिए वह स्टार्टर चालू करने गई तो देवर प्रकाश एवं उसकी पत्नी दिव्या आ गए और मोटर चालू करने की बात को लेकर गाली गलौच करने लगे। मेरे पति सुभाष ने गाली देने से मना किया तो देवर प्रकाश ने जेब से चाकू निकालकर सुभाष के गले पर मार दिया एवं धमकी दी कि आगे से मोटर चालू करने आए तो जान से खत्म कर देंगे। शशि ने तुरंत अपने बेटे गौरव को बुलाया और अपने पति को प्रभातपट्टन के सरकारी अस्पताल ले गए।जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद सुभाष को जिला चिकित्सालय ले गए।पुलिस द्वारा आरोपी प्रकाश के खिलाफ धारा 324,294,506 भादवि के तहत केस दर्ज किया गया है।

शास्त्री वार्ड में नाली सफाई को लेकर महिलाओं ने किया हंगामा

तत्काल फायर ब्रिगेड भेजकर करवाई सफाई

मुलताई, देशबन्धु। नगर के शास्त्री वार्ड में आबकारी आफिस के सामने पिछले दो दिनों से नाली में कचरा फंसने से सड़क पर से नाली का गंदा पानी बह रहा था, जिसकी सफाई के लिए बार बार वार्ड पार्षद महेंद्र पिल्लू जैन से शिकायत की गई लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। रविवार महिलाओं का गुस्सा फुट पड़ा और उन्होंने मौके पर पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया। उनका कहना था की उनके घरों के नलों में नाली का गंदा पानी आता है जो उपयोग करने लायक भी नहीं होता। नाली में पानी जमा होने से यह समस्या और बढ़ जाती है। हंगामे के बाद मौके पर पार्षद पहुंचे और उन्होंने तत्काल नगर पालिका के कर्मचारियों को बुलाया, लेकिन नाली में बड़े बड़े पत्थर और कचरा फंसा होने से नाली साफ नहीं हो पाई और पानी सड़क पर से ही बहता रहा, सामने मंदिर में पूजा करने जाने वाले लोग गंदे पानी से जैसे तैसे बचते हुए निकल पा रहे थे। तभी फायर ब्रिगेड को बुलाया गया और उसके प्रेसर से नाली में फंसा कचरा और पत्थर बाहर निकल आए और सड़क पर से बहने वाला पानी रुक गया। हालांकि इसके स्थाई समाधान के लिए कंक्रीट ब्रेकर बुलवा कर नाली के ऊपर का स्लैब तुड़वाया गया और उसकी जगह चेंबर बनाए जाने के लिए कहा गया।

कार्यशाला में दी कानून की जानकारी

बैतूल, देशबन्धु। सेव इंडियन फैमिली के बैनर तले रविवार को जिले में लगातार दूसरी बार पुरुष दिवस मनाया गया। निजी होटल में आयोजित कार्यशाला में जिले के कुछ ऐसे पुरुष पहुंचे जो वर्षों से समाज में उपेक्षा का दंश झेल रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचकर एसआईएफ संगठन के पदाधिकारियों से अपनी पीड़ा व्यक्त की। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं परिवार परामर्श केंद्र की सदस्य वरिष्ठ समाजसेवी मीरा एंथोनी, डॉ. पुष्पा रानी आर्य, पत्रकार गौरीबालापुरे पदम एवं एसआईएफ के काउंसलर डॉ संदीप गोहे मौजूद थे।

कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी देते हुए डॉ संदीप गोहे ने बताया कि महिलाओं द्वारा की गई झूठी शिकायतों से परेशान सहित परिवार में उपेक्षित पुरुषों, बुजुर्गों को कानूनी जानकारी से अवगत कराना एवं उनकी आवाज मुखर करना ही कार्यक्रम का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज में दहेज प्रताड़ना, हनी ट्रैप, ऑनलाइन फ्रेंडशिप, शादी के लिए दबाव बनाना, लिव इन रिलेशनशिप में वर्षों तक रहने के बाद झूठे केस लगाना, वर्किंग प्लेस पर हरेसमेंट, धारा 498, 125 सीआरपीएस, घरेलू हिंसा एक्ट 2005 व अन्य कानूनों के दुरुपयोग से पुरुष प्रताड़ना के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने झूठे प्रकरण के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कानून सभी के लिए है यदि महिला प्रताड़ित होने पर पुलिस और कानून की मदद ले सकती है तो पुरुष को भी यह अधिकार है।

मनाया छठ पर्व, ताप्ती सरोवर पर पहुंचकर डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

आज उगते सूर्य को अर्घ्य देकर होगा व्रत का समापन

मुलताई, देशबन्धु। नगर में छठ पूजा के तीसरे दिन रविवार को श्रद्धालुओं ने ताप्ती सरोवर पर पहुंचकर मान्यता अनुसार डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया, हालांकि नगर में छठ पर्व की शुरुआत 17 नवंबर को नहाय खाय के साथ हुई थी, दूसरे दिन शनिवार को खरना में पूरे दिन व्रत रखा गया, शाम को महिलाओ ने खीर का प्रसाद बनाया और रविवार तीसरे दिन भगवान सूर्य की पूजा करने के लिए शाम के समय सभी ताप्ती सरोवर पर पहुंचे जहा सूर्य को अर्घ्य दिया गया। आज सोमवार को सुबह सूर्य देव को पुन: जल चढ़ाकर छठ व्रत का समापन किया जाएगा।

देवन और तेलिय ढोह नदी पर उत्साह के साथ मनाया छठ महापर्व

सारनी, देशबन्धु। आस्था और विश्वास का महापर्व छठ कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा, विद्युत नगरी सारनी, देवन नदी, तेलिय डोह नदी पर उत्साह के साथ किया जा रहा है। यह त्यौहार चार दिनों तक मनाया जाता है और इस त्यौहार की शुरुआत 17 नवंबर को नहाय-खाय के साथ हुई। चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व की अपनी एक अलग महानता है। व्रत के सभी अलग-अलग दिनों का महत्व काफी खास होता है। छठ पर्व उत्तर भारत की महिलाएं व्रत रखकर हर्ष उल्लास के साथ मनाती है। सतपुड़ा जलाशय के स्टीम वॉल पर बड़े स्वरूप में आस्था विश्वास का महापर्व छठ मनाया जाता है। इसे देखते हुए प्रशासन के माध्यम से पार्किंग सहित अन्य व्यवस्था करने का कार्य किया जाता है। सारनी थाना प्रभारी अरविंद कुमरे,सारनी एसडीपी रोशन कुमार जैन यहां मौजूद रहे। भोजपुरी एकता मंच के माध्यम से संस्कृत कार्यक्रम के अलावा झांकियां की प्रस्तुति दी गई। कुछ इसी तरह का नजारा पाथाखेड़ा के प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में भी रहा जहां उत्तर भारतीयों ने छठ का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया।

क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मुकाबला देखने बस स्टैंड पर लगाई बड़ी स्क्रीन

मुलताई, देशबन्धु। नगर में क्रिकेट के प्रति लोगो में भारी उत्साह को देखते हुए बस स्टेंड पर रविवार क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले का लाइव प्रसारण बड़ी स्क्रीन लगाकर दिखाया गया। यह आयोजन एक नया परिंदा संगठन, बजरंग दल, ताप्ती ब्रिगेड एवं युवा समाजसेवी लोकेश गिदकर द्वारा मिलकर किया गया। जिसमे बड़ी सख्या में लोगों ने बैठ कर लाइव क्रिकेट का मजा लिया। जैसे ही भारतीय खिलाड़ियों द्वारा यदि चौका छक्का लगाया जाता, सभी दर्शक खुशी से झूम उठते, भारत माता की जय के नारे से पूरा माहौल देशभक्ति से भर उठा था। लोकेश गिदकर ने बताया की क्षेत्र में खेलो के प्रति युवाओं में उत्साह बढ़ाने और क्रिकेट में बढ़ती रुचि को देखते हुए यह आयोजन किया गया, जो देर रात तक शांति पूर्ण रूप से चलता रहा। सभी लोगों के बैठने के लिए बेहतर बिछायत व्यवस्था की गई थी।

कांग्रेस कार्यालय में जयंती मनाकर इंदिरा गांधी को किया याद

हरदा, देशबन्धु। जिला कांग्रेस कार्यालय में भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई। कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम पटेल ने कहा कि भारतीय राजनीति के इतिहास में इंदिरा गांधी को विशेष रुप से याद रखा जाता है। विपक्ष के नेता होते हुए पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल विहारी वाजपेयी ने उन्हें दुर्गा का अवतार की संज्ञा दी थी। एक तेज तर्रार, त्वरित निर्णायक क्षमता और लोकप्रियता ने इंदिरा गांधी को देश और दुनिया की सबसे ताकतवर नेताओं में शुमार कर दिया। हरदा विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रामकिशोर दोगने ने कहा कि इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण, पाकिस्तान को पराजित कर बांग्लादेश का उदय कर विश्व पटल पर अपनी विद्वता व अदम्य साहस का लोहा मनवाया।इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ आनंद झंवर, गोविन्द व्यास,विजय सूरमा, हरिमोहन शर्मा, संजय जैन सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे ।

जलाराम सत्संग मंडल के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हुए गुजराती समाज के लोग

निकाली शोभायात्रा, महाआरती कर किया भंडारे का आयोजन

मुलताई, देशबन्धु। नगर के नागपुर रोड पर स्थित श्री राम भक्त जलाराम बप्पा की जयंती रविवार हर्ष उल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। श्री जलाराम सत्संग मंडल मुलताई द्वारा सुबह 9 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमे बड़ी संख्या में गुजराती समाज के लोग शामिल हुए। यह शोभायात्रा जलाराम मंदिर से शुरू होकर बजरंगदल चौक, जय स्तंभ चौक, ताप्ती मंदिर, दुर्गा मठ होते हुए वापस जलाराम मंदिर पहुंची। जहा सुबह 11 बजे महा आरती की गई। जिसके बाद विशाल महाप्रसादी वितरण का कार्यक्रम शुरू हुआ। जलाराम जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाला यह विशाल भंडारा पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है, इसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग दूर दूर से मुलताई पहुंचते है। वहीं शनिवार रात में मंदिर में सुंदरकांड और भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यह पूरा आयोजन गुजराती समाज द्वारा किया जाता है, इस भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करने आते है, पूरी व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे इस हेतु पुख्ता इंतजाम किए जाते है। इसमें मुख्य रूप से भानजी भाई पटेल, शांति भाई पटेल, रमेश भाई पटेल, जयंती भाई पटेल, रमन भाई पटेल, दिनेश भाई पटेल, मुकेश भाई पटेल, अंबालाल पटेल, अरविंद पटेल, मोहित पटेल, योगेश पटेल, हिमाशु पटेल, मेहुल पटेल और निखिल पटेल सहित समस्त गुजराती समाज का सक्रिय योगदान रहा।

3 सुरक्षा घेरे में रखी ईवीएम मशीनें, प्रत्याशियों के कार्यकर्ता भी कर रहे निगरानी

चुनाव के बाद अब कार्यकर्ताओं को ईवीएम की चिंता

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के बाद अब प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं को ईवीएम की सुरक्षा की चिंता सताए जा रही है। जिसके लिए वे इन ठंडी रातों में निगरानी तक करने तैयार हैं। आईटीआई परिसर में विधानसभा चुनाव का स्ट्रांग रूम बनाया गया है।

प्रशासन ने परिसर के प्रशासनिक भवन में जिले भर की ईवीएम मशीनों को सुरक्षित रख लिया है। इसके बाद भी कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम के बाहर अपना डेरा डाले हुए हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि भले ही कितनी भी सुरक्षा हो पर हम भी निगरानी करेंगे। उनका कहना है कि किसी भी तरह की कोई रिस्क नहीं ले सकते। निगरानी कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी के कार्यकर्ता कर रहे हैं। जिले भर की मशीनें आईटीआई में रखी होने से रात को पिपरिया के कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे। उनका कहना है कि अब 24 घंटे निगरानी करने का समय है। 8-8 घंटे का समय निर्धारित करके निगरानी की जाएगी।

तीन सुरक्षा घेरे में रखी गई ईवीएम मशीनें

स्ट्रांग रूम में पुलिस प्रशासन ने तीन सुरक्षा घेरे में ईवीएम को रखा है। सबसे भीतरी सुरक्षा आईटीबीपी, दूसरा घेरा एसएएफ और तीसरा व बाहरी सुरक्षा घेरा जिला पुलिस बल के हाथ में हैं। यहां 24 घंटे लगभग जवान सुरक्षा में तैनात रहेंगे। 3 दिसंबर को मतगणना होगी। स्ट्रांग रूम में पास जाने की किसी को अनुमति नहीं है। इसके लिए स्ट्रांग रूम की 24 घंटे लाइव प्रसारण के साथ ही रिकॉर्डिंग की भी व्यवस्था है। यदि किसी जनप्रतिनिधि को सुरक्षा को लेकर कोई संशय है तो प्रशासन सीसीटीवी कैमरों के लिए लगी स्क्रीन पर स्ट्रांग रूम दिखाएगा। किसी भी स्थिति में स्ट्रांग रूम तक किसी का भी पहुंचना संभव नहीं है।

कार्यशाला में लगेंगी आईटीआई

परिसर में स्ट्रॉंग रूम बनने से आईटीआई प्रबंधन ने वर्कशॉप में कक्षाएं शिफ्ट कर दी हैं। नए भवन में भी कक्षाएं संचालित हो रहीं हैं। प्रशासन ने आईटीआई के दो प्रवेश द्वार में से एक को बंद कर दिया है। एक दरवाजे का भी एक हिस्स बंद रहेगा। हालांकि मतगणना के दौरान आईटीआई प्रबंधन को किसी तरह की समस्या नहीं होगी।

इनका कहना है

शंका तो नहीं है लेकिन अब हम मतगणना तक दिन रात निगरानी करेंगे। हम किसान लोग हैं, जैसे फसल की निगरानी करते हैं वैसे ही ईवीएम मशीनों की निगरानी करेंगे। कौन से कैमरे में किस विधानसभा की मशीनें है यह थोड़ी देर बाद हमें बताया जाएगा। इस बारे में अभी बात हुई है।

घनश्याम बेलवंशी, कार्यकर्ता

प्रशासन की अच्छी व्यवस्थाएं है, कैमरे भी लगाए गए हैं। लेकिन मतगणना 3 तारीख को होगी तब तक सुरक्षा की दृष्टि से हमें यह देखना है कि कोई गड़बड़ी न हो जाए। इसलिए 24 घंटे निगरानी रहेगी।

वैभव सिंह सोलंकी, कार्यकर्ता

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की दृष्टि से आयोग के निर्देश के तहत तीन स्तर पर स्ट्रांगरूम की सुरक्षा की जा रही है। किसी भी परिस्थिति में किसी को भी स्ट्रांगरूम तक जाने की अनुमति नहीं होगी। यह सुरक्षा 24 घंटे मतगणना तक सतत रूप से जारी रहेगी।

छठ पूजन के लिए सेठानी घाट पर पहुंचे श्रद्धालु

नर्मदापुरम, देशबन्धु। उत्तर भारत के बड़े त्यौहारों में से एक छट पूजन की रौनक नर्मदापुरम के प्रसिद्ध नर्मदा तट सेठानी घाट पर भी देखने को मिली। रविवार शाम विशेष पूजन के लिए श्रद्धालु सेठानी घाट पहुंचे। जहां महिलाओ ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया, इस दौरान लोगो ने नर्मदा किनारे गन्ने की मड़िया बना कर दीपों से सज्जा कर पूजन की और कई प्रकार के फलो का भोग भी लगाया, उत्तर भारत के लोगो का यह सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है जिसमे लोग अपने परिवार की खुशहाली की कामना के उद्देश्य से यह पूजन करते हैं। इस दौरान महिलाएं निर्जला उपवास रख कर सूर्य देव की विशेष पूजन करती हैं। छट पूजने के अंतिम दिन श्रद्धालुओं द्वारा उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजन करते है जिसके बाद व्रती लोग उपवास खोलते हैं। पूजन करने पहुचे लोगो ने बताया कि छट पूजन का उल्लेख वेदों में भी किया गया है।

द्वारिकाधीश को समर्पित छप्पन भोग उत्सव 21 को

इटारसी, देशबन्धु। श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर में छप्पन भोग उत्सव कार्यक्रम 21 नवंबर, मंगलवार को होगा। यह उत्सव विगत कई वर्षों से श्री द्वारिकाधीश उत्सव समिति द्वारा आयोजित होता है।समिति के सदस्य चंद्रकांत अग्रवाल ने बताया कि 21 नवंबर को सायं 6 बजे से श्री द्वारिकाधीश गिरिराजधरण, गोवर्धन जी की पूजन होगी। सायं 7 बजे से छप्पन भोग दर्शन प्रारंभ होंगे। रात्रि 8 बजे से छप्पन भोग प्रसादी का वितरण होगा। कतार बद्ध होकर पूरे अनुशासन के साथ हजारों भक्त हर वर्ष की तरह श्रद्धा भाव से प्रसादी ग्रहण करेंगे। पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग अलग कतारें रहेंगी। महिलाओं को समिति से जुड़ी महिलाएं ही प्रसादी वितरण करेंगी। समिति के वरिष्ठ सदस्य रमेश चांडक, उमेश अग्रवाल, प्रदीप मालपानी, सतीश सांवरिया, गुलाबचंद अग्रवाल आदि ने नगर व जिले के सभी धर्म प्रेमियों से दर्शन कर प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करने का निवेदन किया है।

अस्ताचलगामी सूर्य को व्रतियों ने दिया पहला अर्घ्य

- कल सूर्योदय को दूसरा अर्घ्य देकर होगा व्रत का समापन
- सूर्य षष्ठी पर्व पर पथरोटा नहर पर लगा उत्तर भारतीयों का मेला

इटारसी, देशबन्धु। सूर्य देव की उपासना का पर्व छठ पर पथरोटा नहर पर आस्था से मनाया। उत्तर भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक समिति द्वारा पथरोटा नहर पर छठी मैया की पूजा का इंतजाम कराया जाता है। यहां सैंकड़ों व्रती एक साथ सूर्य को अर्ध्य देते हैं। आज अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही व्रतियों ने मंगल कामना भी की। उत्तर भारतीय परिवारों के सदस्यों ने नहर के प्रवाहित जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दिया। सोमवार को उगते सूर्य को गाय के कच्चे दूर्ध से अर्घ्य देकर इस तीन दिवसीय महापर्व का समापन होगा। छठ महापर्व पर पथरोटा नहर किनारे आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा था। छठी मइया के गीत वातावरण को छठमय बन रहे थे।

उत्तर भारतीय समुदाय का प्रमुख पर्व छठ पूजा के लिए नहर किनारे बेदी बनायी गयी थीं। व्रतियों ने पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। शुक्रवार को महापर्व छठ पूजा 17 नवंबर को नहाये-खाये परंपरा से प्रारंभ हुई। व्रती ब्रह्मचर्य का पालन करते और पवित्र होकर उपासना करते हैं। पूरा परिवार तामसिक वस्तुए जैसे लहसुन-प्यास का त्याग करते हैं, पूर्णत: शाकाहारी होकर सूर्य भगवान और उनकी पुत्री षष्ठी देवी की उपासना का संकल्प लेते हैं। नहाकर और खाकर इसकी शुरुआत की गई। दूसरे दिन खरना में दिनभर व्रत के बाद शाम को गुड़ या गन्ने के रस से चावल और रोटी बनाकर खायी। हवन-पूजन करने के बाद केवल एक टाइम इसे खाया जाता है। दूसरे दिन शनिवार से निर्जला व्रत की शुरुआत हुई है। आज छठ पूजा जलस्रोत के किनारे भगवान सूर्य की उपासना करके की गई। छठ पूजा संतान प्राप्ति या संतान के सुखमय जीवन के लिए किया जाता है। कहा जाता है कि ऋषि च्यवन को क्षय रोग होने पर उनकी पत्नी ने इस व्रत को किया तो वे ठीक हो गये, इसलिए रोग मुक्ति के लिए भी इस व्रत को किया जाता है। कल सोमवार को चौथे दिन यानी 20 नवंबर को सुबह गाय के कच्चे दूध से उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दौरान व्रती सूर्य देव से अपनी संतान और परिवार के सुख शांति के लिए कामना करते हैं। उत्तर भारत सामाजिक सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष रघुवंश पांडेय ने बताया कि अब यह केवल उत्तर भारत का नहीं बल्कि संपूर्ण भारत में और विश्व में भी मनाया जाने लगा है। यह साल में दो बार चैत्र माह कार्तिक शुक्ल की षष्ठी को मनाया जाता है। इसे उत्तर बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समाज के लोग भी करते हैं। उत्तर भारतीय समाज से विनीता पांडेय ने बताया कि इसे सीता मैया ने भी किया था। यह दुनिया का इकलौता पर्व है जो अस्ताचल सूर्य का अर्घ्य देकर शुरु होता और सूर्योदय के साथ खत्म होता है।

मतदान के दौरान उमरधा में भाजपा नेता को पुलिस ने 4 घंटे तक किया नजर बंद

बनखेड़ी, देशबन्धु। मतदान के दौरान उमरधा से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष योजनगंधा के पति महेन्द्र प्रतापसिंह जूदेव को पुलिस ने नजर बंद कर लिया। जिस से जिले भर में राजनीतिक माहौल अंदर ही अंदर गरमा गया। हालांकि नजर बंद मामले की स्थिति जानने के लिए दोनों राजनीतिक दलों के प्रमुख नेतागण खबर के लिए मौके पर पहुंचे। वहीं मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल भी पहुंचा।

हमारे प्रतिनिधि को श्री जूदेव ने बताया कि मैं मतदान करने जा रहा था इस दौरान रास्ते से मुझे पुलिस की एक आठ की टीम ने रास्ते से लौट कर घर पर नजर बंद कर दिया। मुझे बगैर शिकायत और बगैर वाद विवाद के जबरन नजर बंद किया जो कि सरासर गलत है। मुझे जब सामाजिक मिट्टी के बाद खारी सिराने नर्मदा पांसी घाट में जाना पड़ा तो पुलिस की टीम मेरे साथ में गई। पुलिस ने मुझे तीन से चार घंटे तक नजर बंद रखा। जिसके बाद शाम को उमरधा में महेंद्र सिंह जूदेव ने लाइन में लगकर मतदान किया। वहीं श्रीमति योजनगंधा ने दोपहर में महिला साथियों के साथ में मतदान किया। हालांकि महेंद्र सिंह जगदेव को नजर बंद कराने के बाद उमरधा में विपक्षी दल को अधिक वोट मिलने के आसार दिखे।

पिपरिया विधानसभा में 1 लाख 94 हजार 415 वोट डाले

पिपरिया विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को सुबह से देर शाम तक कुल 317 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने बोटिंग की गई हुआ। जिसमें तहसील बनखेड़ी क्षेत्र के 139 मतदान केंद्रों पर बढ़ चढ़कर मतदाताओं ने वोट डाले गए। इस दौरान बनखेड़ी के पुराना बाजार, नयाखेड़ा, कन्या शाला. युवा मतदान केंद्र, उमरधा, अनेक मतदान केंद्रों पर धीमी गति से मशीन के चलने से मतदान हुआ। जिस कारण देर रात तक लोग वोट डालने हेतु घंटों लाइनों में खड़े होकर इंतजार करना पड़ा।

जानकारी मुताबिक बता दें कि पिपरिया विधानसभा में कुल मतदाता 230454 में से 194415 वोट डालने से 84.36 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें 102741 पुरुष और 91670 महिला व 4 अन्य लोगों ने अपने मत अधिकार का उपयोग किया। इस बार पिपरिया विधानसभा में महिलाओ का 6 प्रतिशत मतदान बढ़ा है।

कलेक्टर ने निर्वाचन सफलता से संपन्न होने पर सभी का आभार व्यक्त किया

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह ने विधानसभा निर्वाचन-2023 के मतदान सफलता से संपन्न होने पर जिले के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था में लगे पुलिस बल, मीडिया प्रतिनिधियों तथा समस्त नागरिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को कुशलता एवं शांति से संपन्न कराने में निर्वाचन अमले ने अपने दायित्व का पूरी गंभीरता पूर्वक निर्वहन किया है। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के निवासियों को भी निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सहयोग करने तथा मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए बधाई दी है।

गुंदूर-जयपुर के मध्य सिंगल ट्रिप स्पेशल ट्रेन इटारसी-भोपाल होकर चलेगी

इटारसी, देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात क्लियर करने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 07022 गुंटूर-जयपुर के मध्य सिंगल ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल स्टेशन पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी।

07022 गुंटूर-जयपुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 22 नवंबर 2023 बुधवार को गुंटूर स्टेशन से 21.00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 15.40 बजे इटारसी पहुंचकर, 15.45 बजे इटारसी से प्रस्थान कर, 17.30 बजे भोपाल पहुंचकर, 17.40 बजे भोपाल से प्रस्थान कर, तीसरे दिन शुक्रवार को 06.30 बजे जयपुर स्टेशन पहुंचेगी। यह गाड़ी रास्ते में विजयवाड़ा, खम्मम, वारंगल, सिरपुर कागज नगर, बल्लारशाह, नागपुर, इटारसी, भोपाल, शुजालपुर, उज्जैन, नागदा, रामगंजमंडी, कोटा, सवाईमाधोपुर एवं दुर्गापुरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 11 शयनयान श्रेणी एवं 05 सामान्य श्रेणी, 02 एसएलआर सहित कुल 19 कोच रहेंगे।

सनाढ्य ब्राह्मण सभा ने दीपावली मिलन समारोह मनाया

इटारसी, देशबन्धु। सनाढय ब्राह्मण सभा की मासिक बैठक दीपावली मिलन समारोह के साथ संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंच के वरिष्ठ सदस्य चन्द्रकांत शर्मा ने की एवं संचालन सचिव घनश्याम शर्मा ने किया।

प्रवक्ता दिलीप शर्मा ने बताया कि बैठक इतनी शक्ति हमें देना दाता प्रेरक गीत से आरंभ हुई। बैठक के आरंभ में मंच के संरक्षक मुकेश पाराशर का जन्मदिवस मनाया। बैठक में उपस्थिति हर सदस्य ने एक दूसरे को दीपावली पर दीपावली पर्व की बधाई दी ।

सभा के अध्यक्ष राजकुमार दुबे ने कहा कि गणेश उत्सव एवं दीपावली पर्व के अवसर पर मूर्तिकार बहुत से देवी-देवताओं की मूर्तियां लावारिस छोड़ जाते हैं जिससे सनातन धर्म लज्जित होता है इसके रोकथाम के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपने पर सहमति बनी। सनाढय ब्राह्मण समाज के व्योवृद्ध सम्मान से वंचित रह गए पांच सदस्यों के सम्मान का कार्यक्रम 4 दिसंबर के उपरांत करने पर सहमति बनी। आगामी नववर्ष 2024 कार्यक्रम आयोजन की रुप रेखा पर चर्चा हुई वा इस कार्यक्रम में सहपरिवार भाग लेने पर सहमति बनी। बैठक के अध्यक्ष सीके शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सदस्यों से सामाज हितैषी कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। आभार बैठक आयोजनकर्ता सह सचिव विनय कुमार मिश्रा ने माना। बैठक में जुगल किशोर शर्मा, अशोक ढिमोले, कमलेश शर्मा, शिवनारायण बुधोलिया, आशुतोष दुबे, अनिरुद्ध चंसौरिया, महादेव प्रसाद शर्मा ने भी अपने-अपने विचार रखे।

अन्नकूट महोत्सव में हजारों ने ग्रहण किया प्रसाद

इटारसी, देशबन्धु। श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर में हुए अन्नकूट महोत्सव में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। अन्नकूट महोत्सव का प्रसादी भोजन वितरण रविवार को सायंकाल 6:30 बजे से प्रारंभ हुआ।

श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद पगारे, सचिव जितेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दीपक जैन सहित यजमान अमित सेठ दरबार श्रीमती सपना सेठ, सुनील दुबे, श्रीमती किरण दुबे से पंडित अनिल मिश्रा एवं मंदिर के पुजारी सत्येंद्र पांडेय, पीयूष पांडेय ने गोवर्धन पूजा संपन्न करवाई।

समिति की ओर से मांगीलाल केवट और मंदिर समिति के संरक्षक दीप अरोरा, शेखर पगारे बाबू, सचिव जितेंद्र अग्रवाल कोषाध्यक्ष दीपक जैन, उपाध्यक्ष देवेंद्र पटेल, अमित सेठ दरबार, आरके दुबे शिक्षक, सह सचिव महेंद्र पचौरी, सुनील दुबे शिक्षक, प्रवीण अग्रवाल, ओमप्रकाश कैथवास, मयंक क्लोसिया, अंशुल अग्रवाल, संगठन मंत्री भूपेंद्र विश्वकर्मा, घनश्याम तिवारी, ओमप्रकाश कैथवास, विजय मालवीय, रोहित यादव निरंतर व्यवस्था में लगे रहे।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह इटारसी शहर का ऐतिहासिक धार्मिक प्रतिवर्ष आयोजित होता है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रसादी भोजन ग्रहण पहुंचे। मंदिर समिति ने संपूर्ण शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं को भी अन्नकूट में आमंत्रित किया जिनको प्रसादी भोजन दिया गया।

कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन का कमाल है स्कॉच सिल्वर अवार्ड

इटारसी, देशबन्धु। नगर पालिका इटारसी को इस बार फिर स्कॉच सिल्वर अवार्ड-2023 प्राप्त हुआ है। यह प्रतिष्ठित अवार्ड है जो नवाचार और कुछ अलग हटकर करने पर दिया जाता है। इस बार यह अवार्ड बेस्ट मैनेजमेंट प्रबंधन के लिए मिला है।

अब बात, कि बेस्ट मैनेजमेंट प्रबंधन पर मिले अवार्ड से क्या? यह कुशल निर्देशन का परिणाम है। तत्कालीन सीएमओ श्रीमती हेमेश्वरी पटले ने इसे सफलता दिलाने काफी मेहनत की। उनके निर्देशन में ही यह उपलब्धि हासिल हुई है। बकौल नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, श्रीमती हेमेश्वरी पटले ने ही इसकी शुरुआत की थी और लगातार मॉनिटरिंग करके इसे बेहतर तरीके से निर्देशित किया कि यह प्रदेश स्तर पर सराहा गया। उनके नेतृत्व में नगर पालिका का सारा अमला पूरी ईमानदारी से जुटा रहा और निष्ठापूर्वक किये कार्य का परिणाम मिला है, स्कॉच सिल्वर अवार्ड के रूप में।

बता दें कि यह विगत तीन वर्षों से लगातार चल रहा है। जिलवानी में प्लास्टिक, पॉलिथिन, और ऐसे ही बेस्ट का बेहतर प्रबंधन करके कुर्सियां, बैंच, मेज, टाइल्स बनाये जा रहे हैं। नगर पालिका का यह नवाचार राजधानी भोपाल में हुए अधिवेशन में न सिर्फ सराहा गया था, बल्कि नगरीय प्रशासन विभाग के अफसरों ने मध्यप्रदेश के अन्य निकायों से इटारसी नगर पालिका के इस नवाचार से प्रेरणा लेने को कहा था। आज जिलवानी में कबाड़ से जुगाड़ के अंतर्गत तैयार बैंच, कुर्सी, मेज और टाइल्स कई जगह काम आ रही हैं। बैंच नगर पालिका के पार्कों में लगायी गयी हैं तो श्मशानघाट शांतिधाम में भी अंतिम संस्कार में आए लोगों के बैठने के काम आ रही हैं। टाइल्स तालाब के पाथ-वे किनारे बतौर मॉडल लगाये गये हैं।

टीम भावना ने दिलायी उपलब्धि

दरअसल, इसके लिए पूरी टीम ने काम किया है। तत्कालीन सीएमओ श्रीमती पटले के निर्देशन में स्वच्छता विभाग की टीम में शामिल कमलकांत बड़गोती, जगदीश पटेल ने लगातार मॉनिटरिंग की तो ऑनलाइन प्रजेंटेशन, आवेदन, साक्षात्कार में सुनील यादव की भूमिका रही। गुणवत्तापूर्ण प्रॉडक्ट तैयार करने का सारा दारोमदार प्रिंस वर्मा का रहा, जो सबसे अहम काम है।

इनका कहना है

नगर पालिका की पूरी टीम और नागरिकों को साधुवाद। तत्कालीन सीएमओ श्रीमती हेमेश्वरी पटले ने इसकी शुरुआत की और नेतृत्व किया था, बाद के लोगों ने इसे आगे बढ़ाया। सारी उपलब्धि टीम भावना का परिणाम है, सबको बधाई।

पंकज चौरे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद

स्कॉच सिल्वर अवार्ड मिलने की खुशी है। पूरी उपलब्धि टीम वर्क का परिणाम है। इस तरह के नवाचार बहुत जरूरी है तभी हम स्वच्छता के लिए किये जा रहे कार्यों में सफलता हासिल कर पाएंगे। इसमें सबका सहयोग रहा, सभी सहयोगियों को धन्यवाद और इटारसी नगर पालिका को बधाई।

हेमेश्वरी पटले, तत्कालीन सीएमओ

यह तत्कालीन सीएमओ पटले मैडम और नगर पालिका की टीम की मेहनत का परिणाम है। पूरी एक चेन रही और उनकी मेहनत से यह अवार्ड मिला है। हम इसे और आगे लेकर जाएंगे ताकि और भी कुछ बेहतर हो सके।

रितु मेहरा, सीएमओ इटारसी नपा

भाजपा ने राजनगर की घटना को लेकर निर्वाचन आयोग और पुलिस महानिदेशक को सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस प्रत्याशी ने चुनाव प्रभावित करने के लिए रचा सलमान की हत्या का षड्यंत्र : शर्मा

पुलिस ने बिना जांच भाजपा प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं पर दर्ज किया मामला

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले हुई घटना को लेकर चुनाव आयोग एवं पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए श्री शर्मा ने राजनगर में भाजपा के 20 कार्यकर्ताओं सहित 35 लोगों पर बिना जांच के हत्या का मामला दर्ज करने और आचार संहिता के दौरान बिना अनुमित के कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा धरना पदर्शन करने पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की।

श्री शर्मा ने कहा कि घटना स्थल पर विक्रम सिंह नातीराजा और उनके ड्राइवर सलमान खान द्वारा मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के समय सलमान द्वारा बंदूक से फायर किया गया था। सलमान एवं उसके साथी गाड़ी के ऊपर चढकर मारपीट कर रहे थे, गाड़ियों के कांच फोड़े गये एवं बंदूक, लाठी-डंडां के साथ धारदार हथियारों से हमला किया गया। विक्रम सिंह नातीराजा, उनके ड्राइवर सलमान व उनके समर्थकों की लापरवाही एवं उत्तेजना पूर्वक कार्य से उक्त घटना घटित हुई है। इसके बाद विक्रम सिंह नातीराजा द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर सलमान के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी, ताकि घटना को राजनीतिक रंग दिया जा सके, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता आचार संहिता के बावजूद आखिर किसकी अनुमति से धरना प्रदर्शन खजुराहो थाने के सामने धरना दे रहे है। शव पर राजनीति की जा रही है। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को पता चल गया है कि वो चुनाव हार रहे हैं। उसकी खीझ के लिए दोनों मिलकर इस तरह के राजनीतिक हथकंडे अपना रहे है। श्री शर्मा ने कहा कि आचार संहिता के दौरान जो बिना अनुमति के धरना दे रहे हैं उन पर और जिन्होंने अनुमित दी है, उन पर भी कार्रवाई की जाए।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगलकिशोर शर्मा, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, निर्वाचन विभाग के प्रदेश संयोजक एस.एस. उप्पल, विधि प्रकोष्ठ के सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा एवं एडव्होकेट सुनील गुप्ता उपस्थित रहे। ज्ञापन में कहा गया है कि खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे और छतरपुर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी कांग्रेसी मानसिकता के होने के कारण कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा के प्रभाव में आकर उनको राजनीतिक लाभ पहुंचाने की दृष्टि से भाजपा प्रत्याशी को नुकसान पहुंचाने के लिए षडयंत्र में शामिल होकर झूठा प्रकरण दर्ज किया है।

श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने कांग्रेस नेताओं के दबाव में भारतीय जनता पार्टी के 20 कार्यकर्ताओं सहित 35 पर बिना जांच के हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। यह देश का ऐसा पहला मामला है, जहां दुर्घटना पर बिना जांच के 35 लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने भेदभाव पूर्ण का रवैया अपनाकर झूठा मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले की जांच होनी चाहिए।

दिग्विजय ने एसपी के आश्वासन के बाद खत्म किया धरना

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के खजुराहो क्षेत्र में कांग्रेस नेता विक्रम सिंह उर्फ नाती राजा के सहयोगी सलमान की कथित हत्या के विरोध में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का जारी धरना रविवार दोपहर समाप्त हो गया। वह शनिवार से इस मामले को लेकर धरने पर बैठे थे। सिंह ने धरना समाप्त करने के बाद कहा कि मतदान के दौरान जहां, जहां कांग्रेस प्रत्याशी और उनके समर्थकों पर हमले किए गए हैं, वे वहां जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होने की अपील भी की है। सिंह सागर जिले के रहली भी जा सकते हैं, वहां भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की झड़प के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी।

तेलंगाना विस चुनाव में दल बदलुओं का दबदबा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में चुनावी परिदृश्य पर दलबदलुओं का दबदबा है और कांग्रेस पार्टी ने सबसे ज्यादा संख्या में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आए नेताओं को मैदान में उतारा है। कांग्रेस के लगभग एक-तिहाई उम्मीदवार ऐसे हैं, जो मई के बाद से बीआरएस और भाजपा से पार्टी में शामिल हुए हैं, कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस की जीत ने तेलंगाना में सबसे पुरानी पार्टी को एक नया जीवन दिया है। बीआरएस और भाजपा के कई नेता इस शर्त पर कांग्रेस में चले गए कि उन्हें 30 नवम्बर के विधानसभा चुनावों के लिए मैदान में उतारा जाएगा। कुछ को पार्टी ने अपने खेमे में शामिल होने और उसके टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए भी आमंत्रित किया था। कुछ दलबदलुओं को वफादारी बदलने के कुछ दिनों या कुछ घंटों बाद भी टिकटों से पुरस्कृत किया गया। यहां तक कि 30 नवम्बर को होने वाले चुनावों में कुछ ही दिन बचे हैं, पार्टी में भाग-दौड़ जारी है और जिन लोगों को टिकट नहीं मिला है, वे अगले साल के लोकसभा चुनावों के लिए नामांकन पाने या भविष्य में कुछ बड़े पद पाने की उम्मीद में अपनी वफादारी बदल रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दलबदल की गाथा 2018 के चुनावों के तुरंत बाद शुरू हो गई थी, जब कांग्रेस के लगभग एक दर्जन विधायक सत्ता में बने रहने के बाद टीआरएस (अब बीआरएस) के प्रति वफादार हो गए थे। 119 सदस्यीय विधानसभा में 88 सीटें जीतने वाली बीआरएस एक दर्जन कांग्रेस विधायकों को अपने खेमे में शामिल करने में सफल रही। इसने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के दोनों विधायकों सहित चार और विधायकों को लालच देकर अपनी संख्या 104 तक पहुंचा दी। सत्ता में हैट्रिक का लक्ष्य रखते हुए, बीआरएस ने लगभग सभी मौजूदा विधायकों को मैदान में उतारा है और इसकी सूची चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से दो महीने से अधिक पहले जारी की गई थी। टिकट के दावेदार, जिनकी उम्मीदें टूट गईं, उन्होंने कांग्रेस पार्टी की ओर रुख करना शुरू कर दिया।

जैसे ही कर्नाटक में हार के बाद भाजपा ने गति खो दी, उसके कई नेताओं ने भी कांग्रेस की ओर देखना शुरू कर दिया, जिसके नेता बाहें फैलाकर दलबदलुओं का स्वागत करने के लिए तैयार थे। बीआरएस और भाजपा छोड़ने वालों में से कई वास्तव में लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस में वापसी कर रहे थे। 2014 में नए राज्य में अपनी पहली सरकार बनाने के बाद सबसे पुरानी पार्टी और टीडीपी ने पूर्व मंत्रियों सहित अपने वरिष्ठ नेताओं को बीआरएस में खो दिया था। नेताओं को लुभाने की होड़ जून में पूर्व मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और पूर्व खम्मम सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ शुरू हुई, जिन्हें कुछ महीने पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बीआरएस ने निलंबित कर दिया था। दोनों को भाजपा ने आमंत्रित किया था। लेकिन, कर्नाटक चुनाव के बाद उन्होंने कांग्रेस में शामिल होना पसंद किया। कृष्णा राव को अविभाजित महबूबनगर जिले के कोल्लापुर से टिकट दिया गया है। उन्होंने 2011 में बीआरएस में शामिल होने के लिए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और 2014 में बीआरएस के टिकट पर कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। 2018 के चुनावों में उन्हें हराने वाले हर्षवर्धन रेड्डी के चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस से बीआरएस में चले जाने के बाद उन्हें बीआरएस में दरकिनार कर दिया गया महसूस हुआ। दिलचस्प बात यह है कि जहां कांग्रेस ने उन बीआरएस नेताओं को लुभाया जो टिकट के इच्छुक थे, लेकिन उन्हें मैदान में नहीं उतारा गया, वहीं बीआरएस ने पिछले कुछ दिनों के दौरान उन कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में कर लिया, जिन्होंने दलबदलुओं को टिकट दिए जाने के बाद विद्रोह का झंडा उठाया था।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और एक अन्य प्रमुख नेता हरीश राव ने व्यक्तिगत रूप से असंतुष्ट कांग्रेस नेताओं के घर जाकर उन्हें बीआरएस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। बीआरएस के सत्ता बरकरार रखने पर उन्हें उपयुक्त पदों का वादा किया गया था।

रहली व अटेर हिंसा मामलों को लेकर बोले कमलनाथ

एक दूसरे की सुरक्षा के लिए आगे आएं कांग्रेसी

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने शासन प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से एक दूसरे की सुरक्षा करने का आह्वान किया है। उन्होंने रहली और अटेर विधानसभा का जिक्र कर एक्स पर लिखा कि भिंड जिले की अटेर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के बूथ एजेंट केशव जाटव का घर भाजपा के गुंडों ने जला दिया। यह गुंडागर्दी भाजपा प्रत्याशी और मंत्री अरविंद सिंह भदोरिया के लोगों ने की है।

कमलनाथ ने लिखा कि पीड़ित कांग्रेस कार्यकर्ता को सुरक्षा मुहैया कराना तो दूर पुलिस ने अब तक इस मामले में समुचित कार्रवाई भी नहीं की है। देखने में आ रहा है कि प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है और पुलिस प्रशासन मूक दर्शक की भूमिका में बना हुआ है। कमलनाथ ने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि सागर जिले की रहली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल के ऊपर कल हमला किया गया। उनकी गाड़ियों पर पथराव और तोड़फोड़ की गई। हमलावर खुलेआम हाथ में पिस्तौल लहराते हुए दिख रहे हैं। ज्योति ने वीडियो जारी कर कहा है कि अगर उनकी हत्या हो जाती है तो उसके लिए भाजपा प्रत्याशी गोपाल भार्गव जिम्मेदार होंगे। एक महिला प्रत्याशी के ऊपर इस तरह खुलेआम हमला हो रहा है। लेकिन उसकी सुरक्षा और हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

अटेर के एक मतदान केन्द्र पर होगा पुनर्मतदान

भोपाल, देशबन्धु। भिंड जिले के अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्र. 71 के किशुपुरा नंबर-3 में पुनर्मतदान कराया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को यह जादेश दिए। 21 नवंबर को सुबह सात बजे से छह बजे तक यहां मतदान होगा। माकपोल सुबह 5.30 बजे प्रारंभ होगा। इसके लिए मतदान दल सामग्री सहित 20 नवंबर को रवाना होंगे। मतदान करने वाले मतदाताओं के बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में स्याही लगाई जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग ने भिंड जिले के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को पुनर्मतदान कराने के पूर्व मतदान दल के पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों को विधिवत प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए हैं। पुनर्मतदान की सूचना समस्त अभ्यर्थियों एवं राजनीति दलों दे दी गई है। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त नई दिल्ली को भिंड जिले की अटेर विधानसभा क्षेत्र के 16 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराए जाने की मांग की थी। भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को इस संबंध में मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भी ज्ञापन दिया था।

कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी और लक्ष्मीबाई को किया याद

भोपाल, देशबन्धु। देश में एकता और अखण्डता बनी रहे, इसलिए इंदिरा गांधी जी ने अपने प्राणों की आहूति दे दी, यह सब कांग्रेस में ही संभव हैं। कांग्रेस के नेताओं ने हमेशा देश हित में काम किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने आज पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी और वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुये दोनों विभूतियों का उनका पुण्य स्मरण किया।

उन्होंने कहा कि वीरांगना लक्ष्मीबाई ने स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में जो वीरता और साहस के साथ अंग्रेजी हुकूमत का सामना किया, उनकी शौर्य गाथा सर्वविदित है। आजादी दिलाने के खातिर अपने प्राणोंकी आहूति दे दी। प्रदेश कांग्रेस की प्रवक्ता एवं कार्यक्रम समन्वयक आनंद तारण ने बताया कि इन दोनों विभूतियों की प्रतिमाओं पर कांग्रेसजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रकाश जैन, जे.पी. धनोपिया, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल, भोपाल जिला/ शहर कांग्रेस के अध्यक्षद्वय प्रवीण सक्सेना और अरूण श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया।

राजस्थान में वोटों के जातीय समीकरण को लेकर राजनीति तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में 25 नवम्बर को विधानसभा चुनाव होना है, लेकिन उससे पहले वोटों के जातीय समीकरण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी जाट वोट बैंक को साधने के लिए तेजाजी के मंदिर पहुंचे तो वहीं दलित वोट बैंक पर प्रभाव जमाने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सीएम अशोक गहलोत जयपुर के एसएमएस अस्पताल पहुंच गए। उन्हीं के विधायक और वर्तमान बीजेपी प्रत्याशी गिर्राज सिंह मलिंगा द्वारा मारपीट के बाद पिछले 20 महीनों से दलित अधिकारी हर्षाधिपति वाल्मीकि भर्ती है। हर्षाधिपति से खरगे और गहलोत की मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। गिर्राज सिंह मलिंगा धौलपुर की बाड़ी विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर जीत कर विधायक बने थे। दबंग विधायक ने अपनी दबंगई बिजली कर्मचारी हर्षाधिपति वाल्मीकि पर इस कदर उतरी की कुर्सियों से मार- मारकर उनके शरीर में करीब 2 दर्जन फ्रैक्चर कर दिए। वाल्मीकि अभी चल फिर नहीं सकते।उनसे मुलाकात के बाद खरगे व गहलोत ने मलिंगा को टिकट देने के लिए बीजेपी पर निशाना साधा। जिसको लेकर राजनीति गरमाई। घटना के वक्त विपक्ष ने भूमिका निभाई थी, सत्ता पक्ष ने चुप्पी साध ली थी, लेकिन अब मलिंगा को बीजेपी से टिकट मिलते ही वहां की राजनीति में निर्णायक भूमिका रखने वाले दलित वोट बेंक को साधने के लिए कांग्रेस पार्टी के शीर्ष और स्थानिय नेतृत्व ने गाड़ियों का काफिला एसएमएस अस्पताल की तरफ बढ़ा दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष पूरे लाव-लश्कर के साथ अस्पताल पहुंचकर हर्षाधिपति और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इसके बाद बीजेपी पर निशाना साधा। अस्पताल से निकलने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि असल में दलित विरोधी तो भाजपा है। कांग्रेस अगर दलित विरोधी होती तो इनकी रक्षा के लिए इतने कानून नहीं बनते।

बाबा साहब आंबेडकर और पंडित जवाहर लाल नेहरू ने मिलकर दलितों के लिए जो कानून बनाया है वो नहीं होते। असर में भाजपा कभी भी दलितों के साथ नहीं थे। उनका सिर्फ एक ही मकसद है और वो आरएसएस का एजेंडा चलाना है। उन्होंने गरीबों और दलितों के लिए कभी कुछ नहीं किया। भाजपा ने राजनीति के भीतर काला अध्याय लिख दिया है। जिसने इस घटना को अंजाम दिया पहले उसकी आलोचना की और फिर उसी व्यक्ति को आपने टिकट दे दिया। सरकार बनाने के प्रयास में भाजपा किस हद तक गिर सकती है उसका एक यह नमूना है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने 130 से अधिक सीटें लाने का किया दावा

अनैतिक काम करने वालों से सख्ती से निपटेगी कांग्रेस : दिग्विजय

• राजीव रंजन श्रीवास्तव

नई दिल्ली, देशबन्धु। मध्य प्रदेश का सियासी इतिहास कई तरह की उथल-पुथल और जोड़-तोड़ का साक्षी तो रहा है, लेकिन इस बार मध्य प्रदेश के चुनावों में हिंसा का जोर देखने मिला। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का कहना है कि इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है, जिसके संरक्षण में अनैतिक कार्य करने वालों को प्रश्रय मिला। मध्य प्रदेश में राजनगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पूर्व पार्षद सलमान खान की हत्या 17 नवम्बर को मतदान से पहले की गई थी। इसका इल्जाम भाजपा के कार्यकर्ताओं और प्रत्याशी पर लगा है। मृतक सलमान के परिजन इंसाफ की मांग करते हुए खजुराहो थाने के सामने बैठ गए और उनका साथ देने दिग्विजय सिंह भी पहुंच गए। 18 तारीख से लेकर 19 तारीख तक 24 घंटों से अधिक वक्त तक मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा राज्यसभा सांसद धरने पर बैठे रहे। जब पुलिस अधीक्षक ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर रविवार की शाम को ये धरना समाप्त हुआ। सलमान खान के परिजन अब उनके अंतिम संस्कार के लिए तैयार हो गए हैं। हालांकि दिग्विजय सिंह ने चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो पुन: आंदोलन किया जाएगा।

दिग्विजय सिंह जब धरने पर बैठे थे, इस दौरान देशबन्धु डीबी लाइव के लिए प्रधान संपादक राजीव रंजन श्रीवास्तव ने उनसे विशेष बातचीत की और मध्य प्रदेश में चुनाव में हिंसा से लेकर सरकार की चोरी होने से बचाने तक कई मुद्दों पर चर्चा हुई। दिग्विजय सिंह का कहना है कि मध्य प्रदेश में इस बार कांग्रेस 130 सीटों से अधिक पर जीत दर्ज करने जा रही है और पांच साल काम करने का मौका मिलने पर श्री कमलनाथ अवैध और अनैतिक कार्य करने वालों से सख्ती से निपटेंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में ही नहीं, आने वाले लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस मजबूती से प्रदर्शन करने जा रही है।

यहां पेश है उनसे बातचीत के खास अंश-

• ***मध्य प्रदेश में चुनावी हिंसा का इतिहास नहीं रहा है, फिर क्या कारण है कि इस बार चुनावों में इस तरह की हिंसा हुई कि किसी कांग्रेस कार्यकर्ता की जान तक चली गई।***

पिछले 20 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने एक ऐसा कैडर तैयार कर रखा है, जो सारे अवैध धंधों में लगा हुआ है। चाहे अवैध रेत खनन हो, शराब हो, सट्टा हो, थाना और तहसील या पंचायत की दलाली हो। इन्होंने करोड़ों रूपए कमाए और जो लोग इन अनैतिक धंधों में रहे, उनमें से कई भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े। ये लोग सोचते हैं कि यहां के जो गरीब लोग हैं, उनको शराब पिलाकर वोट ले लेंगे। राजनगर विधानसभा का भी यही हाल है। यहां के भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा के खास शिष्य हैं। इनको छतरपुर का मुख्यमंत्री कहा जाता है। यहां के थानेदार, बीडीओ, पटवारी वगैरह सब इनके सिस्टम से काम करते रहे। हमारे कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह यानी नाती राजा ने पिछले महीनों में चुनाव आयोग को अनेक पत्र लिखे कि ये अधिकारी-कर्मचारी 3-3, 5-5 सालों से यहां जमा हैं और नियम कानून से काम नहीं कर रहे, बल्कि भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं। लेकिन माननीय चुनाव आयोग ने इसका संज्ञान नहीं लिया। हालत ये है कि यहां के एक टीआई की गाड़ी में भाजपा का प्रचार होता रहा, शराब बंटती रही। 16-17 नवम्बर को भी ऐसा ही हो रहा था, तभी हमारे कांग्रेस उम्मीदवार से उनका आमना-सामना हो गया। दोनों दलों के काफिले आमने-सामने हो गए। सड़क पर कुछ जानवर थे, नाती राजा ने कहा कि आप निकल जाइए, लेकिन निकलने की बजाए उन्होंने उनके ऊपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। सलमान ने नाती राजा को तो धक्का देकर गाड़ी में बिठा दिया और खुद जब बैठने की कोशिश में था, तो इन लोगों ने उसके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी और उसको रौंदते हुए कम से कम 15 -20 गाड़ियां निकल गईं। इसको हादसा नहीं कहा जा सकता, ये जानबूझकर की गई हत्या थी। क्योंकि उन गाड़ियों में शराब, हथियार और पैसा सभी थे। हमें

संतोष इस बात का है कि जिला प्रशासन ने हत्या की धारा लगाकर मामला दर्ज किया है, अरविंद पटेरिया को भी आरोपी बनाया है। लेकिन 24 घंटे से अधिक वक्त बीतने के बाद भी गाड़ियां जब्त नहीं हुईं। इसलिए हमें धरने पर बैठना पड़ा। पीड़ित परिवार का कहना साफ है कि हमारे पार्षद सलमान को नहीं दफनाएंगे, जब तक कार्रवाई न हो। इसलिए मैंने तय किया कि पीड़ित परिवार की संतुष्टि तक थाने के सामने धरने पर बैठे रहें।

• ***आप लोगों की मुख्य मांग क्या है, आप किस तरह इस मामले पर कार्रवाई चाहते हैं।***

हम चाहते हैं कि सख्त कार्रवाई हो। पुलिस प्रशासन का कहना है कि विशेष जांच टीम लगाई गई है। वो कार्रवाई का आश्वासन दे रहे हैं। लेकिन पीड़ित परिवार का एक ही बेटा बचा है, जिस पर अब पूरा परिवार आश्रित है, तो परिवार की मांग है कि उसे सरकार शासकीय नौकरी दे और इनके साथ जल्द से जल्द इंसाफ हो।

• ***चुनाव से पहले अक्सर विरोधी दल एक-दूसरे पर धांधली के आरोप लगाते हैं, ऐसे में चुनाव आयोग का रवैया क्या रहा है?***

चुनाव आयोग में अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ हमारी लगभग एक हजार शिकायतें थी, अगर माननीय आयोग ने इन शिकायतों का संज्ञान लिया होता और कार्रवाई की होती तो आज ये नौबत ही नहीं आती। खुलेआम भाजपा नेताओं के प्रतिनिधियों ने चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की। लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

• ***हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान की चुनावी रैली में लोगों से कहा कि कमल का बटन दबाना तो ऐसा समझना मानो भ्रष्टाचारियों को फांसी दे रहे हो, इस तरह के उकसाने वाले बयान पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है?***

प्रधानमंत्री को तो ऐसा लगता है कि उनके ऊपर न कोई संविधान है न नियम न कानून। निर्वाचन आयोग ने मान लिया है कि मोदी खुदा हैं, उन्हें नोटिस नहीं दिया जा सकता। हमारे गृह मंत्री अमित शाह ने भी मध्य प्रदेश में कमल का साथ न देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सबक सिखाने की बात कही थी। जब प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ऐसी बात करें तो ये सरासर हिंसा को निमंत्रण देना है। दुखद ये है कि चुनाव आयोग उन्हें नोटिस तक नहीं दे रहा। फिर क्या उम्मीद करें।

• ***मतदान समाप्त होने के बाद 3 तारीख का इंतजार है, जब नतीजे आएंगे। लेकिन एक लंबा वक्त इस दौरान बिताना है, इसमें ईवीएम की सुरक्षा कैसी होगी?***

ईवीएम की निगरानी को लेकर हम पूरी तरह से सजग हैं। पूरी एहतियात बरती जा रही है। हालांकि खबर मिली है कि शिवपुरी के एक इलाके में क्रबिस्तान में बुलेरो मिली, जिसमें ईवीएम मिली। अब आप बताइए कब्रिस्तान में बुलेरो का क्या काम। इसी तरह एक ओवरलोडेड आटो रिक्शा में ईवीएम ले जाई जा रही थी। चुनाव आयोग का काम है इसको देखे, लेकिन इनसे कोई उम्मीद नहीं है। लेकिन कांग्रेस सजग है।

• ***कांग्रेस को जीत तो पिछले बार भी मिली थी, इस बार भी आपने काफी मेहनत की है। लेकिन 15 महीनों में ही पिछली सरकार चोरी कर ली गई थी इस बार आप लोग कैसे सजग हैं, रणनीति क्या है?***

कांग्रेस की जीत के लिए हम सबने मेहनत की है। कमलनाथ जी ने और बाकी सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की है। मैंने तो अपना फर्ज ही निभाया है। लेकिन इस बार खरीद-फरोख्त की संभावनाएं कम हैं।

• ***तीन तारीख को कितनी सीटें आ रही हैं?***

मैंने पहले भी कहा है और मैं फिर से आपसे कह रहा हूं कि इस बार हम 130 से अधिक सीटें ला रहे हैं।

• ***आपने पहले मध्यप्रदेश में नर्मदा यात्रा की, जिसका लाभ पिछले चुनाव में मिला। फिर भारत जोड़ो यात्रा में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, और फिर से भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी है। इन यात्राओं से कितना फायदा मिला?***

नर्मदा यात्रा पूरी तरह से आध्यात्मिक यात्रा थी। इसे राजनीति से जोड़ना ठीक नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा में हम राहुल जी के साथ थे। मध्य प्रदेश में उनका बड़े पैमाने पर स्वागत हुआ, आम जनता ने राहुल जी को निकट से देखा, उन्हें समझा। और मैं समझता हूं कि उसी की वजह से धर्म के नाम पर नफरत फैलाने का असर नहीं हो रहा।

• ***2018 के चुनावों में विधानसभा चुनाव जीतने के बावजूद लोकसभा में हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इस बार मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कितनी मजबूती से तैयार है?***

जैसी मेहनत और तैयारी से विधानसभा चुनाव हमने लड़ा, वैसी ही तैयारी लोकसभा की रहेगी। और केवल मध्य प्रदेश ही नहीं, पूरे देश में हम मजबूती से लड़ेंगे।

• ***चुनाव में होने वाली हिंसा को कैसे रोकेंगे?***

हिंसा केवल खजुराहो में नहीं हुई, रहेली, अटेर, शिवपुरी, कई इलाकों में ऐसी घटनाएं हुई हैं। भाजपा ने जिन गुंडों को पाला है, जो अवैध काम करेगा, उसके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। मध्य प्रदेश के लोग हमें पांच साल काम करने का मौका देंगे तो कमलनाथ जी के नेतृत्व में अनैतिक काम करने वालों पर सख्ती की जाएगी। सफाई की जाएगी।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।